

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में अवैध धान भंडारण व परिवहन पर की जा रही लगातार कार्रवाई

ग्राम सेमरा, सिलादेही, मेरुभाठा लोहसी, हेडसपुर, बक्सरा और कापन में अवैध धान जप्त



जांजगीर-चांपा

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग द्वारा अवैध धान भंडारण और परिवहन के विरुद्ध अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। विकासखंड नवागढ़ के ग्राम सेमरा में प्रमोद किराना स्टोर से 50 बोरी अवैध धान जप्त किया

गया। विकासखंड बम्हनीडीह के ग्राम सिलादेही निवासी रामगोपाल साहू के घर पर की गई संयुक्त जांच में 50 बोरी अवैध धान मिलने पर मंडी अधिनियम के तहत जल्दी की कार्रवाई की गई। मेरुभाठा स्थित रमेश किराना स्टोर में अवैध रूप से रखे 95 बोरी धान को भी राजस्व एवं मंडी विभाग की टीम ने जप्त किया। लोहसी में अवैध धान परिवहन के लिए तैयार 2 वाहनों से 205 बोरी धान जप्त किया गया। यादव किराना स्टोर

हेडसपुर से 40 क्विंटल धान एवं चिंटू किराना स्टोर बक्सरा से 18 क्विंटल धान जप्त किया गया। तहसील अकलतरा अंतर्गत ग्राम कापन में रमेश गौतम के गोदाम से 70 बोरी 28 क्विंटल एवं योगेश्वर श्रीवास के गोदाम से 32 बोरी 12.80 क्विंटल धान अवैध भंडारण पाए जाने पर राजस्व एवं मंडी सचिव दल द्वारा जल्दी किया गया। जिस पर मंडी अधिनियम के अंतर्गत आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकार कुल 502

बोरी एवं 98.80 क्विंटल अवैध धान जप्त कर विभाग द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। कलेक्टर महोबे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि धान खरीदी व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता, अवैध भंडारण या परिवहन में लिस व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। साथ ही पात्र कुषकों को धान बित्री में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

शिवरीनारायण नगर के सॉफ्टबॉल खिलाड़ी अग्रिम टूर्नामेंट की तैयारी में जुटे

वरिष्ठ कोच प्रदीप यादव ने खेल की बारीकियों से खिलाड़ियों को कराया अवगत

शिवरीनारायण

शिवरीनारायण नगर में सॉफ्टबॉल खेल का उत्साह निरंतर बढ़ता जा रहा है। नगर के आठ वर्ष से पच्चीस वर्ष आयु वर्ग के बालकड्डबालिकाएँ टंड के मौसम में भी प्रतिदिन सुबह सात बजे समय से खेल मैदान पहुँचकर कठोर अभ्यास कर रहे हैं। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने हेतु कोच सूरज यादव, अमन कुंभकार, योगिता केवट एवं सुमित यादव के मार्गदर्शन में आगामी जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी लगातार जारी है। इसी क्रम में रविवार को वरिष्ठ सॉफ्टबॉल कोच प्रदीप यादव ने अपने अवकाश के समय में शिवरीनारायण खेल मैदान पहुँचकर



खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मैदान में उपस्थित पंचास से अधिक बच्चों को उन्होंने खेल की तकनीक, अनुशासन, टीमवर्क और मानसिक मजबूती पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उन्होंने खिलाड़ियों को 'गुरु मंत्र' देते हुए आगामी टूर्नामेंटों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नगर का नाम गौरवान्वित करने की प्रेरणा प्रदान की कोच प्रदीप यादव

ने कहा, -शिवरीनारायण में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। यदि खिलाड़ी निष्ठा और नियमित अभ्यास बनाए रखें, तो वे निश्चित ही जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के अंत में खिलाड़ियों ने वरिष्ठ कोच के प्रति आभार जताया और श्रेष्ठ प्रदर्शन का संकल्प लिया।

के आर टेनिकल कॉलेज में जनजातीय संस्कृति पर भव्य कार्यशाला – महापौर मंजूषा भगत की उपस्थिति से उमड़ा उत्साह



सरगुजा/अबिकापुर

के आर टेनिकल कॉलेज, संजय नगर में जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित एक दिवसीय भव्य कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी में जनजातीय अस्मिता, सांस्कृतिक गौरव और पर्यावरण चेतना को सशक्त करना था।

पारंपरिक स्वागत और रांगरांग प्रदर्शनी-कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक मांदरकुवादन, गीतझुनृत्य और जनजातीय परिधानों के साथ अतिथियों का स्वागत करके की गई। कॉलेज परिसर में प्रदर्शित जनजातीय चिकित्सा-ज्ञान, पारंपरिक व्यंजन, वीर नायकों की गाथाएँ और हस्तशिल्प प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। मुख्य आकर्षण रहे, वीरों का गलियारा, जनजातीय पकवान प्रदर्शनी, मेडिसिनल प्लांट इकोड्रिविजम कॉर्नर, जनजातीय उपयोगी वस्तुओं की

प्रदर्शनी।डायरेक्टर डॉ. रीनू जैन, उपाध्यक्ष राहुल जैन और प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा का स्वागत उद्बोधन-डॉ. वर्मा ने जय जोहार के साथ सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि जनजातीय समाज की सरलता, सामूहिकता और प्रकृतिह्रस्मत् जीवनशैली आज के युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने वीर नारायण सिंह, बिरसा मुंडा, राजमोहिनी देवी और संत गहिरा गुरु जैसे महापुरुषों के संघर्षों का स्मरण कर विद्यार्थियों को संस्कृतिह्रसंरक्षण का संकल्प लेने की प्रेरणा दी।

महापौर मंजूषा भगत का प्रेरक भाषण-महापौर मंजूषा भगत ने कहा, सरगुजा की यह भूमि हमारी माता है-जल, जंगल और जमीन जनजातीय जीवन की आत्मा हैं। उन्होंने युवाओं में परंपराओं से दूर होने की चिंता व्यक्त की और अपने कार्यकाल की उपलब्धियों में कार्तिक उरांव की

प्रतिभा स्थापना को बताया। अंत में उन्होंने उरांव जनजाति का पारंपरिक गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। विविध अतिथि संतोष दास सरल का सांस्कृतिक संदेश-सांस्कृतिक चिंतक संतोष दास सरल ने कहा, संस्कृति बलाई नहीं जाती, जी जाती है। उन्होंने जनजातीय व्यंजनों, वनह्रजन और जडीह्रबूटियों की महता उजागर की और जनजातीय मंत्रालय तथा जनजातीय गौरव दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उनके प्रस्तुति गीत सर्ग से सुघर है हमर सरगुजा ने सभागार में तालियों की गड़गड़ाहट पैदा कर दी।

मुख्य वक्ता इंद्र भगत का व्याख्यान-इंद्र भगत ने कहा कि सरगुजा विश्वविद्यालय का नाम संत गहिरा गुरु पर रखा जाना जनजातीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने वीर नारायण सिंह, बिरसा मुंडा, गुंडाधुर, टंटया भील, रानी दुर्गावती और संत गहिरा गुरु जैसे महापुरुषों के संघर्षों को याद करते हुए युवाओं को इतिहास की समृद्ध परंपरा से परिचित

कराया। संस्कृति और कला प्रस्तुतियाँ-कार्यक्रम में जनजातीय नृत्य, राजमोहिनी देवी पर आधारित लघु नाटक और प्रकृतिह्रकृन्दिन जीवनशैली पर आधारित प्रस्तुतियाँ अत्यंत सहाहनीय रही। डायरेक्टर डॉ. रीनू जैन ने सभी अतिथियों, आयोजन समिति और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमें बिरसा मुंडा, संत गहिरा गुरु और राजमोहिनी देवी जैसे महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में उतारना होगा। सभी अतिथियों को प्रशस्तितह्रचिह्न भेंट किए गए।

कार्यक्रम का समापन और योगदान-कार्यक्रम का सफल संचालन समन्वयक रेनू सिंह, उप-समन्वयक सुश्री अनुराधा एक्का और सभी विभाग प्रमुखों एवं सहायक प्राध्यापकों के सहयोग से हुआ। के आर टेनिकल कॉलेज का यह जनजातीय उत्सव 2025 शिक्षा, संस्कृति और प्रकृतिह्रसमत् जीवनदृष्टि के उत्थान का उत्कृष्ट उदाहरण बन गया।

दिव्यांग समान दिवस पर अपमान का बड़ा विवाद: समारोह से धक्का, मुंह दबाया गया और थाने तक ले जाया गया दिव्यांगजन-प्रशासन पर गंभीर आरोप

सम्मान दिवस के आयोजन पर लगातार उठ रहे सवाल-मूक-बधिर बच्चों से काम करवाने के बाद अब दिव्यांगों को ही कार्यक्रम से दूर रखने और आवाज दबाने का आरोप

सूरजपुर

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर सूरजपुर के रांगमंच में आयोजित सम्मान समारोह इस बार सम्मान से ज्यादा अपमान की वजह से सुर्खियों में है। दिव्यांग संघ के उपाध्यक्ष सोनू कुमार साहू ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन ने उन्हें समारोह में शामिल होने से रोका, उनकी आवाज दबाने की कोशिश की और अंततः उन्हें थाने तक ले जाकर बैठा दिया।

मंच क्षेत्र में प्रवेश रोका, धक्का देकर बाहर किया गया-पीडित दिव्यांग के अनुसार, वे कई महत्वपूर्ण मांगों को लेकर कार्यक्रम में उपस्थित महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एवं मितला चाहते थे। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें रोक दिया। आरोप यह भी है कि जब उन्होंने नारे लगाए तो अधिकारियों ने उनका मुंह अपने हाथों से जोर से दबाया और बार-बार उन्हें बाहर धकेला। यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए चौंकाने वाला था, क्योंकि यह वही कार्यक्रम था जिसका उद्देश्य दिव्यांगों का



सम्मान करना बताया जा रहा था।

मांगें रखने की कोशिश पर थाने की राह-सम्मेलन से पुलिस थाने की कुर्सी तक-विवाद बढ़ने पर प्रशासनिक अधिकारियों ने दिव्यांगजन को कार्यक्रम स्थल से हटाकर सूरजपुर थाने ले जाकर बैठा दिया। दिव्यांग समाज और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सम्मान समारोह में दिव्यांगों की आवाज दबाने और उसे थाने ले जाने का क्या अर्थ है?

कांग्रेस जिला अध्यक्ष शशि सिंह कोराम पहुँचे थाने, प्रशासन को घेरा-घटना की सूचना मिलते ही कांग्रेस जिला अध्यक्ष शशि सिंह कोराम थाने पहुँचे। उन्होंने दिव्यांगजन से पूरी जानकारी ली और प्रशासन के व्यवहार पर कड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि अगर दिव्यांगजन ही सम्मान समारोह में शामिल नहीं हो सकते, अपनी मांगें नहीं रख सकते, तो फिर यह समारोह किसके लिए? प्रशासन का यह रवैया

अस्वीकार्य है। उन्होंने दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी की।

पहले भी विवाद-मूक-बधिर बच्चों से श्रम करवाने का वीडियो वायरल-याद दिलाने वाली बात यह है कि समारोह से ठीक एक दिन पहले एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें मूक-बधिर बच्चों से काम करवाते हुए देखा गया। अब दिव्यांगजन के साथ कथित दुर्व्यवहार ने पूरे आयोजन को संदेह के घेरे में ला दिया है।

फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र और रोजगार लेन न मिलने का आरोप भी शामिल-दिव्यांग संघ के उपाध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि जिले में फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाकर कई लोग सरकारी नौकरी कर रहे हैं, जबकि वास्तविक दिव्यांगजन रोजगार लेन तक नहीं प्राप्त कर पा रहे और अपनी समस्याओं को लेकर दर-दर भटकने को मजबूर हैं। ऐसे में सम्मान दिवस मनाने

का उद्देश्य सवालों के घेरे में है।

जनता का सवाल-सम्मान दिवस या केवल खानापूर्ति?-लगातार सामने आ रहे विवादों के बाद आम लोगों और सामाजिक संगठनों के बीच यह सवाल गूँज रहा है कि जब दिव्यांगों को ही कार्यक्रम से दूर रखा जा रहा है, उनकी आवाज को दबाया जा रहा है, तो यह समारोह सिर्फ औपचारिकता और दिखावा नहीं तो क्या है?

निष्कर्ष-अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह इस बार सम्मान की जगह विवाद, दुर्व्यवहार और प्रशासनिक असवेदनशीलता के कारण चर्चा में है। दिव्यांगजन के साथ हुई घटनाओं ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि सम्मान समारोह का वास्तविक अर्थ क्या है, और इसका लाभ किसे मिल रहा है?

बसदेई चौकी पुलिस की त्वरित कार्रवाई-नकदी, मोबाइल और बाइक सहित ?3 लाख से अधिक का माल जप्त गंगोटी में जुआ खेले जा रहे 4 आरोपी रंगे हाथों गिरफ्तार



सूरजपुर

डीआइजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर सूरजपुर पुलिस अवैध गतिविधियों पर लगातार शिकंजा कस रही है। इसी क्रम में 02 दिसंबर 2025 को बसदेई चौकी पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम गंगोटी में कुछ व्यक्ति हारजीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं।

घेराबंदी कर चार जुआड़ी गिरफ्तार-सूचना पर तत्काल घेराबंदी करते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश दी और चार जुआड़ियों को रो

हथों जुआ खेलते गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं जगदीश प्रसाद पिता रामनारायण साहू (48 वर्ष), ग्राम पोड़ी, थाना रामानुजगढ़, पूरन प्रसाद पिता धनराज (35 वर्ष), ग्राम गंगोटी, चौकी बसदेई, संजय साहू पिता परन राम (43 वर्ष), ग्राम मांजा, थाना रामानुजगढ़, सूरज साहू पिता राम संजीवन (32 वर्ष), ग्राम बांसापारा, चौकी बसदेई

3 लाख से अधिक का सामान जप्त-जुआ पक्ष एवं आरोपियों के पास से पुलिस ने 29,100 नकद, 4 मोबाइल फोन, 4 मोटरसाइकिलें, कुल करीब 22,99,100 मूल्य का माल

जप्त किया। जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज-मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पूरी टीम रही सक्रिय-कार्रवाई में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिंह, आरक्षक अलका टोप्पो, बालमुकुन्द पाण्डेय, देवदत्त दुवे, शिवराज, रामकुमार, आदित्य यादव, राकेश सिंह, दिलीप साहू, तथा महिला आरक्षक पूनम और प्रफुल्ल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सूरजपुर में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का भव्य आयोजन

दिव्यांगजन अपनी क्षमता और संघर्षशीलता से समाज में बनाते हैं अपना स्थान : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

सूरजपुर

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर सूरजपुर में राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिषद कार्यालय के सभागृह स्थित रांगमंच में भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना था। दिव्यांगजनों को प्रदान किए गए उपकरण और पुरस्कार-कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को स्वावलंबन बढ़ाने वाले उपकरण वितरित किए गए। इसमें 10 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 20 साधारण ट्राईसाइकिल, 15 व्हील चेयर, 15 जोड़ी बैसाखी, 05 ब्लाइंड स्टिक, 20 छड़ी और 04 नग एमआर किट शामिल थे। इसके अलावा, जिला गरियाबंद को दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्ट कार्य हेतु सर्वश्रेष्ठ जिले के रूप में सम्मानित किया गया। राज्यस्तरीय समिति द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य करने वाले पांच दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया और प्रत्येक को 5001 रुपये का चेक प्रदान किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिव्यांग प्रतिभाओं का जादू-कार्यक्रम में दिव्यांग कामगारी शीतल विश्वकर्मा और ज्ञानोदय के मूक-बधिर बच्चों द्वारा शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया और समारोह को और प्रभावशाली बना दिया।

मंत्री और अधिकारियों के विचार-मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि दिव्यांगजन अपनी



क्षमता, योग्यता, संघर्षशीलता और सकारात्मकता के आधार पर समाज में अपना स्थान बनाते हैं। छत्तीसगढ़ शासन उन्हें हर स्तर पर प्रोत्साहित करने और सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिव्यांग शब्द प्रदान करने से समाज की दृष्टि सकारात्मक रूप से बदली है। पूर्व गृहमंत्री व वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकार ने कहा कि दिव्यांगजन समाज की शक्ति हैं। उनकी मजबूती और आत्मविश्वास समाज को

नई दिशा देता है। सरकार उनके अधिकारों, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि समाज के हर वर्ग का दायित्व है कि वे दिव्यांगजनों की प्रतिभा को आगे लाने में सहयोग करें। समावेशी विकास को राज्य की प्राथमिकता बना जाता है। समाज कल्याण विभाग की संचालक रोहिमा यादव ने दिव्यांगजनों को मिलने वाले 21 प्रकार की सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने बताया कि प्रशासन का प्रयास

है कि दिव्यांगजन केवल लाभार्थी नहीं बल्कि समाज के सक्रिय सदस्य के रूप में सामने आएँ।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्ति-कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणि पैकार, उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, पूर्व विधायक रजनी त्रिपाठी, रेड क्रॉस सोसाइटी अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीम सिंह अग्रवाल, अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

धान खरीदी में सख्ती-कटगोड़ी, मुरमा, जटासेमर और पोंडी में कार्रवाई तेज

75 बोरी धान जल, कई किसानों का अमानक धान रिजेक्ट

कोरिया

जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने प्रशासन द्वारा लगातार औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कटगोड़ी धान खरीदी केंद्र और आसपास के क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में कई अनियमितताएँ उजागर हुईं।

कटगोड़ी में 40 क्विंटल धान रिजेक्ट
प्रबंधक अनुपस्थित-बुधवार को सुबह कटगोड़ी धान खरीदी केंद्र में हुए औचक निरीक्षण में मानक से नीचे गुणवत्ता का लगभग 40 क्विंटल धान रिजेक्ट किया गया। निरीक्षण के दौरान समिति प्रबंधक अनुपस्थित पाए गए, जिस पर नोडल अधिकारी को तत्काल सजान लेकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्र में बारदाना एवं ढकने हेतु पॉलीथिन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध मिली।

कटगोड़ी में अवैध भंडारण-75 बोरी धान जल-निरीक्षण टीम ने पम् रूद्र कुमार, मेन रोड कटगोड़ी के गोदाम से अवैध रूप से भंडारित 75 बोरी (30 क्विंटल) धान जल कर प्रकरण



दर्ज किया। ग्राम मुरमा में किसान विजुन के यहाँ से 45 बोरी धान अवैध रूप से भंडारण पाए जाने पर जप्त किया गया।

जटासेमर 24 बोरी धान रिजेक्ट-झरना पारा धान उपार्जन केंद्र के नोडल अधिकारी श्री कमलेश देवांगन द्वारा खरीदी केंद्र का आज सुबह औचक निरीक्षण किया, जिसमें किसान नीलकंठ

पिता देवनंदन, ग्राम जटासेमर का 24 बोरी धान अमानक पाए जाने पर रिजेक्ट कर वापस लौटा दिया गया। इसी तरह पोंडी में दो किसानों का 71 बोरी अमानक धान रिजेक्ट किया गया। बचरा पोंडी धान उपार्जन केंद्र में बुजमोहन जायसवाल पिता बलराम, ग्राम पोंडी का 65 बोरी तथा भईया लाल राजवाड़े, ग्राम सांवल का 6 बोरी अमानक



धान मिलने पर नोडल अधिकारी श्री ए. टोपों द्वारा रिजेक्ट कर वापस किया गया। अपर कलेक्टर श्री सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे, ताकि असली किसानों को न्याय मिले और कोचियों बिचौलियों पर सख्ती बनी रहे।

टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि जेडी से मिले, पदोन्नति, अनापति सहित कई मुद्दों पर हुआ चर्चा



कोण्डागांव

इहा टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी के नेतृत्व में संभागीय संयुक्त संचालक आर. एल. ठकुर के कवर्धा प्रवास के दौरान रानी दुर्गावती चौक स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में मुलाकात कर शिक्षकों के पदोन्नति, उच्च परीक्षा अनुमति, कॉउंसिलिंग में समस्त रिक्त पदों का प्रदर्शन, प्रतिनियुक्त प्राचार्य का पदांकन आदि मुद्दों पर चर्चा किया। चर्चा के दौरान प्रतिनिधियों ने

बताया कि कई शिक्षकों ने सत्र 2022-23, 2023-24, 2024-25 व बर्तमान सत्र में उच्च परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए विधिवत आवेदन आवेदन किया है, लेकिन कुछ शिक्षकों को आज पर्यन्त तक अनुमति नहीं मिली है। सहायक शिक्षक से शिक्षक तथा शिक्षक से प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला के पद पर अविलंब पदोन्नति की मांग रखा गया।

पदोन्नति पश्चात पदांकन के लिए किए जाने वाले कॉउंसिलिंग में संभाग के समस्त रिक्त पदों को प्रदर्शित करने का पक्ष रखा गया। स्वामी

आत्मानंद स्कूल के प्रतिनियुक्त प्राचार्य (व्याख्याता संवर्ग) की प्रतिनियुक्ति से वापसी पर पदांकन के लिए स्कूलों का विकल्प चयन का अवसर देने पर चर्चा किया गया। जेडी ने इन मुद्दों पर शीघ्र ही कार्यवाही का भरोसा दिया है। इस दौरान प्रमुख रूप से एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी, उग्रसेन चन्द्रवंशी, केशलाल साहू, वकील बेग मिर्जा, बलदाऊ चन्द्राकर, गोकुल जायसवाल, राजेश कौशिक, रंगलाल बारले, नरेंद्र चंदोल, देवन धुवें आदि उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मिली बिलासपुर जिले के नवोदय को खेल शिक्षिका ने दिलाई उपलब्धि

मस्तूरी

जवाहर नवोदय विद्यालय मल्हार ने मध्यप्रदेश में आयोजित राज्य स्तरीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप प्रतियोगिता में 100 मीटर 200 मीटर तथा 400 मीटर में तीन गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय व प्रदेश को गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता रीवा में आयोजित की गई थी जिसमें मध्य प्रदेश के सभी जिलों से प्रतिभागी शामिल हुए थे। नवोदय विद्यालय समिति से इस प्रतियोगिता में अजय कुमार सिंह के अलावा किरण कुशवाहा मल्हार, बिलासपुर ने भी महिला वर्ग से सहभागिता ली थी रीवा जिले का प्रतिनिधित्व किया था जिसमें उन्होंने भी तीन गोल्ड मेडल जीता। प्रतियोगिता के अंतिम चरण



में 200 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के समक्ष आयोजित की गई थी। इसके पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए किरण कुशवाहा को उपमुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जो अजमेर में आयोजित की जाएगी, उसमें मध्य प्रदेश का

प्रतिनिधित्व करेंगे जो रीवा जिले के लिए गौरव की बात है। इस बड़ी सफलता पर नवोदय विद्यालय के तथा समस्त विद्यालय स्टाफ ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले का नाम रोशन करने पर खेल शिक्षिका किरण कुशवाहा को नवोदय विद्यालय मल्हार के शिक्षक शिक्षिकाएं के साथ उनके सहयोगीयो ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

जनपद पंचायत दीमरखेड़ा के सीईओ और बीआरसी ने स्कूलों में पहुंचकर मध्याह्न भोजन की ली जानकारी



कटनी

शालाओं में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को निर्धारित मेन्यू के अनुसार स्वच्छता के साथ, गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराए जाने की सतत रूप से निगरानी करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रोत कौर ने समय-समय पर समीक्षा बैठकों में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। इसी अनुक्रम में जनपद पंचायत दीमरखेड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री युजवेंद्र कोरी और बीआरसी ने संयुक्त रूप से शासकीय

प्राथमिक शाला मुरावरी एवं देवरी पहुंच कर मध्याह्न भोजन की जानकारी ली। इस दौरान जनपद सदस्य दीपू बैरागी ने छात्रों के हित में उपयोगी सुझाव और सहयोग दिया। जनपद सीईओ श्री कोरी ने शाला प्रभारी एवं स्व सहायता समूह को निर्धारित मेन्यू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन समय पर उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं से मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के विषय में जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने अध्यापकों से भी अध्यापन कार्य के विषय में संवाद किया।

महिलाओं की आवाज़ होगी बुलंद – बीजापुर में जेंडर समानता केंद्र का शुभारंभ

बीजापुर

जिला पंचायत संसाधन केंद्र, जैतालूर मार्ग में जेंडर समानता केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नम्रता चौबे की उपस्थिति में जनपद पंचायत बीजापुर के अध्यक्ष सोनू पोटापम ने रिबन काटकर केंद्र का शुभारंभ किया। केंद्र का उद्देश्य क्षेत्र की महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और कानूनी रूप से सशक्त बनाना है। यहां लैंगिक समानता को बढ़ावा देने, नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने, जागरूकता अभियानों के संचालन, प्रशिक्षण व्यवस्था और विभिन्न विषयों पर शोध गतिविधियों के संचालित की जाएंगी। उद्घाटन के अवसर पर जनपद अध्यक्ष सोनू पोटापम ने महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह केंद्र उनके लिए नए अवसरों का मार्ग



प्रशस्त करेंगा। जिला सीईओ श्रीमती नम्रता चौबे ने कहा कि +जेंडर समानता केंद्र समाज में नई सोच, नई दिशा और नई चेतना का प्रतीक है।+ उन्होंने उपस्थित एनआरएलएम अधिकारियों, जीआरसी कैड और स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण और अधिकारों की जानकारी पहुंचाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की स्थापना से समाज में सकारात्मक और



विस्तार, अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और विशेषज्ञ सेवाओं में लगातार सुधार हुआ है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएँ रही अत्यंत प्रभावी-नवंबर माह के दौरान अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष बल मिला। 135.87 (गर्भावस्था पूर्व जांच) 125

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने किया रजौली धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण

बारदाना सत्यापन, नमी परीक्षण और अमानक धान का रिजेक्शन-सख्ती से पालन कराई गई व्यवस्था

कोरिया

धन खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और अनुशासित बनाने कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी आज रजौली धान खरीदी केंद्र पहुंचीं। उन्होंने पूरे केंद्र का बारीकी से निरीक्षण कर खरीदी की प्रत्येक प्रक्रिया का परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बारदाना की गुणवत्ता और सत्यापन की स्थिति देखी। इसके साथ ही पुराने धान की पहचान कर मॉइस्चर मीटर से नमी परीक्षण कराया गया।

अमानक धान पाए जाने पर तत्काल रिजेक्शन की कार्रवाई कराई गई। कलेक्टर ने उपस्थित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि धान



खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों को

प्रतीक्षा न करनी पड़े, इसके लिए व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश भी दिए।

जिला चिकित्सालय में अत्यवस्थाओं का अंबार, ऑक्सीजन प्लांट बंद - कर्मचारियों पर लापरवाही और ठेकेदारी के आरोप

कोरिया

जिला चिकित्सालय इन दिनों गंभीर चर्चाओं का केंद्र बना हुआ है। अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं और अनियमितताओं को लेकर जनप्रतिनिधियों से लेकर शहरवासियों तक में नाराजगी बढ़ती जा रही है। डीएमएफमद से स्थापित ऑक्सीजन प्लांट लंबे समय से बंद पड़ा है, जबकि प्लांट के लिए नियुक्त कर्मचारी मौजूद हैं। कुछ दिनों पूर्व प्लांट से महंगे सामान चोरी होने की घटना ने सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। इस घटना के बाद स्पष्ट हुआ कि प्लांट कर्मचारी प्लांट की देखरेख करने के बजाय जिले के अन्य कामों में व्यस्त रहते हैं। सूत्रों के अनुसार, डीएमएफमद से नियुक्त ऑक्सीजन प्लांट का कर्मचारी जिला चिकित्सालय में नियमित कार्य के बजाय टेंट लगवाने, खाने का प्रबंध कराने, गीज़र मरम्मत, बैटरी बदलवाने जैसे



ठेकेदारी कार्यों में लगा रहता है। गंभीर बात यह है कि ये कार्य बिना किसी निविदा प्रक्रिया के किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित कर्मचारी अस्पताल सलाहकार के खास माने जाते हैं, यही कारण है कि उनकी मनमानी और अनियमितताओं को कोई रोक-टोक नहीं हो रही। अस्पताल प्रशासन पर कामकाज में ढिलाई ही नहीं, बल्कि मरीजों को प्रदत्त सुविधाओं में भी अनियमितताओं के आरोप लगा रहे हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों को नाश्ता और भोजन मेन्यू के अनुसार नहीं मिल रहा है।

मरीजों ने बताया कि उन्हें इडली, अंडा, बिस्किट, चाय जैसे निर्धारित खाद्य पदार्थ कई दिनों से नहीं दिए जा रहे हैं। भोजन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों पर सवाल उठ रहे हैं। मरीजों और परिजनों ने कई बार शिकायतें कीं, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। इन अव्यवस्थाओं को लेकर विधायक प्रतिनिधि ने भी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि जिले की सबसे बड़ी स्वास्थ्य इकाई में ऐसी लापरवाही बेहद चिंताजनक है और तत्काल कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है। ऑक्सीजन प्लांट जैसे महत्वपूर्ण संसाधन का बंद रहना किसी भी आपात स्थिति में गंभीर संकट पैदा कर सकता है। जानकारों का कहना है कि यदि समय रहते अस्पताल प्रशासन व्यवस्था में सुधार नहीं करता, तो बड़ी गड़बड़ियों का खुलासा होना तय है। जनता और जनप्रतिनिधियों की लगातार उठ रही आवाजों के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में जल्द हस्तक्षेप कर स्थिति को सुधारने की दिशा में कदम उठाएगा।

बीजापुर

जिले के उपार्जन केंद्रों का आज आकस्मिक निरीक्षण करते हुए डिप्टी कलेक्टर एवं खाद्य अधिकारी दिलीप उर्खे, जिला विपणन अधिकारी तामेश नागवंशी तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बीजापुर के नोडल अधिकारी छोटेलाल यादव ने उपार्जन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने किसानों से धान खरीदी एवं संग्रहण



केंद्रों पर आवश्यक सुविधाओं पर चर्चा कर किए। तथा समिति प्रबंधक एवं ऑपरेटरों को आवश्यक निर्देश दिए। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 20,191 किसानों द्वारा 43,428.35 हेक्टेयर रकबा पंजीकृत किया गया है। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए जिले में 30 उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। जिसमें किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए -प्रत्येक केंद्र पर बैटने एवं पीने के पानी की समुचित व्यवस्था की गई है। सही तौल

एवं समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है।+टोकन तुम्हरे ऐप+ का व्यापक प्रचार-प्रसार व्यापक प्रचार प्रसार कर किसानों को सहयोग किया जा रहा है।+टोक पास ऐप+ में किसानों का 100व फोटो अपलोड किया जा रहा है।कलेक्टर सखित मिश्रा द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी की सतत समीक्षा की जा रही है। सभी उपार्जन केंद्रों में नए एवं पुराने बारदाना की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है, जिससे खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके।

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मयादा'



नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों— थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम 'असामान्य' है और 'स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर' है। हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों— थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि 'दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता'। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन— 'समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता', को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी 'कूटनीतिक संवेदनशीलता' के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को 'नोट' किया है। देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल 'असामान्य' ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मयादाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता—विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील



द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे। तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत-रूस निकटता से असहज है यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत-

रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है। तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के

बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएँ कर चुके हैं। मगर वहाँ तेनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केन्द्रीय भूमिका से जुड़ा है। यूरोपीय देश भली-भाँति जानते हैं कि भारत आज ग्लोबल साउथ की सबसे प्रभावशाली आवाज है और ऊर्जा व सुरक्षा संतुलन में उसकी स्थिति निर्णायक है। इसलिए, भारतझरूस संबंधों की निरंतरता पश्चिम की दीर्घकालिक रणनीतियों को प्रभावित करती है। इसी संवेदनशीलता के चलते यूरोपीय दूतों ने यहाँ एक असामान्य सार्वजनिक हस्तक्षेप को चुना, जो यह दर्शाता है कि भारत की रूस-नीति को लेकर पश्चिम में विशेष चिंता है, भले ही वे इसे औपचारिक रूप से स्वीकार न करें। बहरहाल, तीनों यूरोपीय राजदूतों द्वारा की गई इस कूटनीतिक अशिष्टता पर भारत को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। एक ओर, भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस के साथ उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी किसी बाहरी बयानबाजी से प्रभावित न हो; दूसरी ओर, मेजबान देश होने के नाते भारत को यह सुहृद् संदेश भी देना आवश्यक है कि कूटनीतिक मयादाओं का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमाश्व या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रखाँकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रखता है, बल्कि भारत में तेनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और मेजबान देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।

हर लहर पर तिरंगा : नौसेना का अदम्य जोश और जज्बा



पाकिस्तान को बहुत भारी नुकसान हुआ था, कराची बंदरगाह के ईंधन भंडार को काफी नुकसान हुआ था ' कहा जाता है कि इस हमले का आदेश बंद लिफाफे में नौसेना के पास पहुंचा था ' भारत ने अपने तीन युद्धपोतों आईएनएस निपत, आईएनएस निरघट और आईएनएस वीर की सहायता से कराची बंदरगाह पर हमला किया, भारत से युद्धपोत गुजरात के ओखा पोर्ट से पाकिस्तान के लिए दोपहर 2 बजे रवाना हुए थे ' भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के पीएनएस खैबर, पीएनएस शाहजहां और पीएनएस मुहाफिज की जलसमाधि बना दी थी ' चूँकि पूर्व और पश्चिम पाकिस्तान के बीच एकमात्र लिंक समुद्र के रास्ते था, इसलिए भारत ने पाकिस्तान की समुद्री क्षमता पर प्रहार करने का फैसला किया ' पाकिस्तान के पास रात के लड़ाकू विमान नहीं थे, इसलिए सूर्यास्त के बाद ऑपरेशन को अंजाम दिया गया ' इस हमले ने पाकिस्तान के प्रमुख ईंधन भंडार और

गोला-बारूद के भंडार को नष्ट कर दिया ' हमलावर जहाजों के समूह को किलर स्क्वाड्रन के रूप में जाना जाता है ' युद्ध 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति के साथ समाप्त हुआ, जिसे अब बांग्लादेश के रूप में जाना जाता है ' इस ऑपरेशन की सफलता बड़ी इसलिए भी मानी जाती है क्योंकि कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया था, साल 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में पहली बार पाकिस्तानी जहाज पर एंटी-शिप मिसाइल से हमला किया गया था ' ऑपरेशन ट्राइडेंट के ठीक तीन दिन बाद ऑपरेशन पाथथन किया गया ' हमले में फिर से कोई भारतीय नाविक नहीं मारा गया, जबकि ऑपरेशन पाकिस्तानी बेड़े के टैंकर पीएनएस ढाका को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहा ' भारतीय नौसेना का प्राथमिक उद्देश्य समुद्री सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ आवश्यकता के समय सद्भावना यात्राओं और मानवीय मिशनों को पूरा करके देश के द्विपक्षीय संबंधों

को सुधारने में सहायता करना है ' हर साल, नौसेना दिवस भारत के नौसैनिक बल की वीरता, उपलब्धि और भूमिका की कहानी कहते हैं ' यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की शानदार सफलता को याद करने का दिन है, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध में समुद्री युद्ध को फिर से परिभाषित करने वाला एक सहस्री मिशन था। इस अद्वितीय बहादुरी के कार्य ने न केवल युद्ध को भारत के पक्ष में झुका दिया, बल्कि समुद्री इंतहास के पन्नों में भारतीय नौसेना का नाम भी दर्ज कर दिया। नौसेना दिवस सिर्फ अतीत के गौरव का स्मरणोत्सव नहीं है। यह वर्तमान संकल्प और भविष्य की आकांक्षाओं के धागों से बुना गया एक जीवंत चित्रपट है। यह हमारी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, हमारे व्यापार मार्गों की सुरक्षा और हमारे द्वीप क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता को स्वीकार करने का दिन है। यह हमारे महासागरों को सुशोभित करने वाले तकनीकी चमत्कारों पर आश्चर्यचकित होने का दिन है - चुपके से चलने वाली पनडुब्बियां, भव्य विमान वाहक, फुतीले विध्वंसक और गहरे सागर के मूक रक्षक ' ये सभी भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति के प्रमाण हैं। नौसेना दिवस उन पुरुषों और महिलाओं के बारे में भी है जो इन मशीनों के पीछे मजबूती से खड़े हैं। यह उनके अटूट समर्पण, उनके अथक प्रयासों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में उनके अदम्य साहस के बारे में है। यह उन परिवारों के बारे में है जो उनके साथ खड़े हैं, ताकत और अटूट समर्थन का एक मूक स्तंभ हैं। इस दिन को मनाते हुए, आइए हम उन लड़ी गई लड़ाइयों और विसय को याद करें। आइए हम शहीद हुए वीरों का सम्मान करें और उन लोगों की अदम्य भावना को सलाम करें जो हमारी समुद्री सीमाओं की रक्षा करना जारी रखते हैं। (लेखक प्रकाश हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एसआईआर एक घातक ड्रामा

क्या संसद में भी हल्लामाहू होता है? बेशक हमने संसद के भीतर हंगामे, हूल्डिबाजी, आसन की ओर किताब फेंकना या सभापति का माइक तोड़? की कोशिश करना, मेज पर चढ़ कर नृत्य करना आदि अराजकताएं और अनुशासनहीनता तो देखी हैं। वे शाश्वत हैं, क्योंकि विपक्ष ऐसा ही व्यवहार करता रहा है। यही उसकी संवैधानिकता मान ली गई है। भाजपा बिल्कुल भी अछूती नहीं है। संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज करते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है, संसद में तो 'डिलीवरी' होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस 'हमामा' में सभी मौजूद हैं। कमोबेश वह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर 'ड्रामा' है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चर्चाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमावन, शालीन, सीम्प, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रामा' ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए। संसद के माथेने ही अलग हैं। दरअसल 'ड्रामा' तो 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) और चुनाव आयोग के नाम पर खेला जा रहा है। बीते कल एक वीडियो टीवी चैनलों पर प्रसारित होता रहा। उस के एक बीएलओ ने आत्महत्या से पहले वह वीडियो बनाया था। वीडियो में बीएलओ अपनी मां से बार-बार माफी मांग रहा है और बार छोटी-छोटी बेटीयों का ख्याल रखने की गुहार कर रहा है। वह व्यक्ति लगातार रो रहा है। कमोबेश इससे ज्यादा मार्मिक और पीड़ित दृश्य नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी आत्महत्याओं के बाद भी चुनाव आयोग दबे करता रहा है कि सब कुछ 99 फीसदी हो रहा है। लानत है ऐसी संवैधानिक व्यवस्था पर! संसद में ड्रामा यह किया गया है कि 14 दिसंबर, 1988 की तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ (प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे) की रुलिंग का हवाला देते हुए सरकार ने संसद में एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर, किसी भी नियम के तहत, चर्चा करने से इंकार कर दिया है। क्या स्पीकर की रुलिंग और चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक, स्वायत्त संस्था संसद के लिए कोई संवैधानिक विवशता है कि उन्हें लांघा जा सकता? संसद सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को तो पलट सकती है, लेकिन स्पीकर की रुलिंग लक्ष्मण-रेखा है। दरअसल कोई संवैधानिक बाधता अथवा लकीर नहीं है। चुनाव आयोग का बजट संसद पारित करती है। कानून मंत्रालय इसे पेश करता है। आयोग के तीनों सर्वोच्च आयुक्त प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कमेटी नियुक्त करती है। चूंकि अब सूत्र बता रहे हैं कि 'चुनाव सुधार' के बैनर तले, एसआईआर का नाम लिए बिना ही, संसद में इस मुद्दे पर बहस हो सकती है। विपक्ष का एक बड़ा इसके लिए सहमत है। एसआईआर के कारण अभी तक 40 मौतें (आत्महत्या समेत) हो चुकी हैं। क्या वह अंकड़ चुनाव आयोग के आयुक्तों को नहीं झकझोरता? क्या इससे भी अधिक घातक कोई व्यवहार और उसका ड्रामा हो सकता है?

चिंतन-मनन

अनुभव का लाभ

एक विदेशी राजा ने भारत पर आप्रमण करना चाहा। उसने सोचा कि आप्रमण से पूर्व यह जान लेना चाहिए कि उस राजा के पास कोई बुद्धिमान व्यक्ति है या नहीं? उस राजा ने सुरमे को एक डिब्बिया देकर एक दूत भेजा। उस डिब्बिया में दो आंखों में ही लगाने लायक सुरमा था। वह सुरमा अंधे को आंख देने में समर्थ था। दूत ने कहा, दो आंखों में ही आ जाए, इस डिब्बिया में इतना-सा सुरमा है। हमें इसकी अधिक आवश्यकता है। आपके पास हो तो हमें दें। या इस सुरमे के आधार पर कोई व्यक्ति ऐसा ही सुरमा बना सके तो हम उस आदमी को अपने साथ ले जाना चाहेंगे। राजा ने मंत्रियों से सलाह ली। किन्तु ऐसा सुरमा कौन बना सके? किसी को समाधान नहीं आया। राजा ने सोचा, एक बुढ़ा मंत्री था, जो अभी सेवानिवृत्त हुआ है, उससे पूछा जाए। राजा ने उसे बुला भेजा। वह अंधा हो गया था। वह आया। मंत्री ने डिब्बिया में एक आंख में सुरमा लगाया। कुछ ही क्षणों बाद उसे दिखने लगा। जो शेष सुरमा बचा था, उसे अपनी जीभ पर रख लिया। स्वाद से उसने सुरमे के सारे द्रव्यों का विशेषण कर लिया। घर जाकर वैसा ही सुरमा बनाया। परीक्षण के लिए अपनी दूसरी आंख में उसे लगाया। आंख खुल गई। उसने शेष सुरमा डिब्बिया में भरकर दूत से कहा, जाओ, अपने सम्राट से कहना कि ऐसा सुरमा जितना चाहे यहां से मंगा लें। दूत गया। सम्राट को वृत्तान्त सुनाया। सम्राट ने सोचा, जिस देश में ऐसे अनुभवों और वृद्ध रहते हैं, इतने बुद्धिमान मंत्री हैं, उस देश पर आप्रमण करना भयंकर भूल होगी।



दिलीप कुमार पाठक

भारतीय नौसेना का इतिहास 1612 में शुरू हुआ था, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने हितों की रक्षा के लिए समुद्री बल का गठन किया था। समय के साथ यह बल भारतीय नौसेना के रूप में विकसित हुआ। 1950 में रॉयल इंडियन नौसेना का नाम बदलकर भारतीय नौसेना रखा गया। भारतीय नौ सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेनाओं में गिनी जाती है, हर साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाते हुए भारत का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। यह दिन कैलेंडर पर सिर्फ एक तारीख नहीं है, यह हमारे नौसैनिक योद्धाओं की अटूट भावना और बेमिसाल साहस का प्रतीक है। भारतीय नौसेना दिवस, नौसेना की बहादुरी, और समर्पण का सम्मान करता है। यह ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता का स्मृति में मनाया जाता है, जब 4 दिसंबर 1971 भारत-पाक युद्ध के दौरान नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसेना मुख्यालय को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था, इस अभियान का नेतृत्व कमोडोर के.पी. गोपाल राव ने किया था, जिसमें आईएनएस वीर, आईएनएस निपट और आईएनएस निघट जैसे मिसाइल बोट्स का उपयोग कर तीन पाकिस्तानी जहाजों को डुबो दिया गया और भारी नुकसान पहुंचाया गया था ' इस हमले में पाकिस्तान के लगभग 300 सैनिक मारे गए और 700 घायल हुए थे ' इस ऑपरेशन को ऑपरेशन ट्राइडेंट के नाम से जाना जाता है ' इस हमले में



निर्मल रानी

तदाता सूची के संशोधन के लिए देश के कई राज्यों में चलाया जा रहा विवादित विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) इन दिनों काफी चर्चा में है। एसआईआर को लेकर कथित तौर पर बरती जा रही अनियमिततायें तो चर्चा में हैं ही साथ ही इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के मामले भी सुर्खियों में हैं। अलग अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर-दिसंबर 2025 में से कम से कम 12 से 20 बीएलओ ने आत्महत्या की है, जबकि आत्महत्या सहित हार्ट अटैक व स्ट्रोक आदि से 30 से अधिक बीएलओ की मृत्यु होने का आभास है। आत्महत्या करने वाले कई बीएल ओ ने भले ही अपने सुसाइड नोट या आत्महत्या से पूर्व जारी अपने वी डी ओ सन्देश में स्पष्ट रूप से काम के भारी दबाव व तनाव की बात क्यों न की हो परन्तु चुनाव आयोग इन मौतों को एसआईआर से जोड़ने से इंकार करता है और इन्हें 'अन्य प्रकार के मामले' बताता है। आयोग ने इन मौतों को लेकर कुछ विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को 'राजनीतिक' करार देते हुये कहा है कि ये मौतें एसआईआर प्रक्रिया से सीधे जुड़ी नहीं हैं, और अधिकांश मामलों की जांच चल रही है। बहरहाल एसआईआर प्रक्रिया व इसी दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के सन्दर्भ में एक सबसे अहम बात यह है कि आत्महत्या करने वाले इन बूथ स्तरीय अधिकारियों में अधिकांशतः शिक्षक ही शामिल हैं? बीएलओ आमतौर पर सरकारी स्कूल

शिक्षक ही होते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों को ही इस भूमिका के लिए नियुक्त करता है। तो क्या राष्ट्र निर्माण की धुरी समझे जाने वाले शिक्षक समाज की नौबत अब यहाँ तक आ पहुँची है कि उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है? वह भी किसी गैर शिक्षण संबंधी कार्य का निर्वहन करते हुये? इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल छेड़ दी है कि क्या देश के 'गुरुजनों' को ऐसी सरकारी ड्यूटी पर लगाना चाहिये जहाँ न केवल उन्हें तनावग्रस्त होना पड़े बल्कि उनकी ड्यूटी के दौरान बाधित होने वाले शिक्षण कार्यों से भी देश के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो? भारत सरकार या चुनाव आयोग की नजरों में शिक्षक की अहमियत क्या है यह तो सरकार व चुनाव आयोग की उदासीनता से बखूबी समझा जा सकता है। परन्तु भारत रब ए पी जे अब्दुल कलाम की नजरों में शिक्षक का महत्व क्या है यह विभिन्न अवसरों पर उन्होंने बयान किया है। अब्दुल कलाम शिक्षकों को समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ मानते थे। वे अक्सर कहते रहते थे कि 'शिक्षक राष्ट्र-निर्माता होते हैं' कलाम साहब कहते थे कि 'शिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ढूँंसे, बल्कि एक अच्छा शिक्षक वो है जो छात्र के दिमाग में रचनात्मकता की लौ जलाए। शिक्षक का काम सिर्फ पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों के अंदर सपने जगाना और उन्हें पंख देना है।' कलाम साहब का मानना था कि 'अगर कोई देश भ्रष्टाचार-मुक्त और सुन्दर मन वाला समाज चाहता है, तो मुझे पूरा यकीन है कि समाज के तीन सदस्य इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं झ्र माँ, पिता और गुरु।' यहाँ तक कि शिलांग में अपने जीवन के अंतिम क्षणों में दिये गये अपने अंतिम भाषण में भी उन्होंने अपनी एक स्मृति का उल्लेख इन शब्दों में किया था - 'मुझे याद है मेरे शिक्षक ने कहा था - अगर तुम अच्छे शिक्षक बनो, तो तुम्हारा छात्र तुम्हें पार कर जाएगा। मैंने यही किया और आज मेरा छात्र (वे IIM शिलांग के छात्रों की ओर इशारा कर रहे थे) मुझे पार कर जाएगा। यह शिक्षक का सबसे बड़ा इनाम है। ह्द कलाम साहब के लिए

शिक्षक कोई नौकर नहीं, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाले माली के समान है। वे मानते थे कि एक अच्छा शिक्षक पूरे देश के भविष्य को बदल सकता है। शायद यही वजह थी कि वे स्वयं को भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति या मिसाइल मैन कहलवाना नहीं बल्कि प्रोफेसर कहलाना ज्यादा पसंद करते थे। इस सन्दर्भ में हरियाणा सरकार के हाल ही में लिये गये उस फैसले की प्रशंसा करना जरूरी है जिसमें एस सरकार ने शिक्षकों को केवल शिक्षण कार्य और शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों तक ही सीमित रखने का आदेश जारी किया है। यह फैसला शिक्षा के अधिकार अर्धनियम-2009 की धारा 27 के तहत लिया गया है जिसमें चुनाव ड्यूटी, सर्वे, डेटा एंट्री जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त कर केवल स्कूलों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। खबर तो यह है कि यह आदेश वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। परन्तु यदि हरियाणा सहित देश के सभी राज्य इस प्रकार के स्थाई आदेश जारी करें तो सम्भवतः चुनाव, एसआईआर या जनगणना जैसे अन्य विभागों के काम के बोझ से दबकर आत्म हत्या किये जाने जैसी खबरों पर जरूर विराम लग सकेगा। परन्तु बड़े आश्चर्य की बात है कि 'गुरु' को लेकर तरह तरह के उपदेश देने व उनके सम्मान का दिखावा करने वाली सरकारों ने आज गुरु को उस अंजाम तक पहुंचा दिया है जहां उन्हें आत्म हत्या करनी पड़ रही है? आज क्यों नहीं याद आती सरकार को संत कबीर दास की वह वाणी जिसमें उन्होंने कहा था कि -'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागू पांव। बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय।। अर्थात गुरु और गोविंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए - गुरु को अथवा गोविन्द को? ऐसी स्थिति में गुरु के श्री चरणों में शीश झुकाना उतम है जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। या फिर संत कबीर के ही यह वचन कि -गुरु बिन ज्ञान न उपजै, गुरु बिन मिलै न मोष। गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष।। अर्थात - हे सांसारिक प्राणिमां। बिना गुरु के ज्ञान का मिलना असम्भव है।



तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों में जकड़ा रहता है जब तक कि गुरु की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरु ही हैं। बिना गुरु के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरु की शरण में जाओ। गुरु ही सच्ची राह दिखाएंगे। परन्तु कितना दुःखद है कि गुरु पूर्णिमा व शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु सम्मान का दिखावा करने वाली आज की सरकारों के दौर में विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन ' स्वयं आत्महत्या करते दिखाई दे रहे हैं?

नारियल तेल के फायदे नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, नारियल का तेल है

सर्दियों में सभी महिलाएं त्वचा को रुखेपन से बचाने के लिए मॉइश्चराइजर खरीदती हैं पर अगर आप इसकी जगह नारियल का तेल इस्तेमाल करें तो भी आपको पूरा लाभ मिलेगा क्योंकि ये प्राकृतिक रूप से मॉइश्चराइजर का काम करता है। नारियल का तेल कई गुणों से भरपूर होता है। त्वचा संबंधी कई रोगों के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। आइए जानते हैं नारियल का तेल सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। नारियल तेल के इस्तेमाल से कई फायदे होते हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढ़ियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है। सेहत के साथ-साथ नारियल का तेल त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए भी सर्दियों से इस्तेमाल किया जा रहा है।

नारियल तेल के फायदे

तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी सहायक



नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है। इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और रिकन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठों पर लगाया जा सकता है।

नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबित होता है। सिर की मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि यह खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होती है।

नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड होता है। मीडियम चेन फैटी एसिडस आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है। नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।

गर्भवती महिलाएं तनाव से बचें

अगर आप गर्भवती हैं तो किसी प्रकार का तनाव न लें। एक अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्भवस्था के दौरान ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि गर्भवस्था के दौरान तनाव लेने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा 42 फीसदी बढ़ जाता है। इससे पहले हुए अध्ययन की रिपोर्ट में यह पाया गया था कि 24 सप्ताह की गर्भवती में होने वाले गर्भपात में 20 फीसदी मामले तनाव के कारण होते हैं।

दोबारा अध्ययन के बाद यह पाया गया कि आंकड़ें इससे कहीं ज्यादा हैं क्योंकि गर्भपात के कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

यही नहीं अध्ययन की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया कि युवा होते ही तनाव और अवसाद का सामना करने वाले लोगों को आगे के जीवन में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है।

गर्भावस्थ में काम का ज्यादा तनाव न लें

गर्भावस्था के दौरान काम का बहुत ज्यादा तनाव न लें। अपनी प्राथमिकताएं थोड़ी कम करें और दोस्तों या रिश्तेदारों से मदद लेने में संकोच न करें।

घर का काम कम करें और उस समय का इस्तेमाल आप किताब पढ़ने और आराम करने में कर सकती हैं।

अगर कामकाजी हैं तो ऑफिस में सिक लीव या अपनी छुट्टियों का भरपूर लाभ लें।

लंबी सांस लें और छोड़ें, योग करें या स्ट्रेचिंग करें।

अगर स्वीमिंग आती है तो स्वीमिंग करें या वॉक करें।

हेल्दी खाएं। संतुलित आहार आपके शरीर और मानसिक सेहत दोनों को ठीक रखेगा।

रात में जल्दी सो जाएं क्योंकि इससे आपके गर्भ में पल रहे बच्चों को विकास के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

दूसरों की सुनें पर दिल से न लगाएं। गर्भावस्था के दौरान लोग खूब कहानियां सुनाते हैं, उन्हें सुनें जरूर, पर ज्यादा ध्यान न दें। कुछ लोगों को गर्भावस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ऐसा आपके साथ भी हो, कोई जरूरी तो नहीं।

अगर आपको लगता है कि आप तनाव में हैं और आपका तनाव कम नहीं हो पा रहा है तो अपने डॉक्टर से बात करें।



कम बजट में शानदार हनीमून!

भारत के ये 6 डेस्टिनेशन जहां ट्रिप बनेगी बेहद यादगार

भारत में हनीमून की योजना बना रहे कपल्स के लिए यह लेख 6

आकर्षक डेस्टिनेशन सुझाता है, जहां वे अपनी शादी के बाद बेहतरीन

पल बिता सकते हैं। गोवा के सुनहरे समुद्र तटों से लेकर शिमला और

मनाली की बर्फीली वादियों तक, ये गंतव्य शांति, प्राकृतिक सुंदरता

और एडवेंचर का अनोखा संगम प्रदान करते हैं, जो कम बजट में भी

शानदार ट्रिप सुनिश्चित करते हैं।

भारत में शादियों का सीजन शुरू हो चुका है। शादी के बाद कपल्स का हनीमून पर जरूर जाते हैं। अगर आप भारत में हनीमून के लिए डेस्टिनेशन खोज रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे भी भारत में घूमने-फिरने की जगहों की भरमार है। यहां आपको एक से बढ़कर एक एडवेंचर, रोमांटिक जगहें, जहां आप पार्टनर संग घूमने जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको भारत में ही हनीमून प्लान करने के लिए कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन्स के बारे बताने जा रहे हैं। इन जगहों पर आपको सुकून, शांति मिलेगी और कम बजट में ट्रिप भी शानदार बन जाएगी।

गोवा

भारत की सबसे फेवरेट हनीमून डेस्टिनेशन में से एक है गोवा। यहां की बीच लाइफ एक्सपीरियंस सबसे शानदार होता है। गोवा के बीच के किनारे आप पत्नी संग रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा, गोवा की नाइट लाइफ पार्टी को एन्जॉय करने का एक अलग ही मजा होता है। यहां पर घूमने के लिए कैलेंगुट बीच, अंजुना बीच, बागा बीच, बागाटोर बीच, सिंकेरियन बीच, पालोलेम बीच। गोवा में घूमने के लिए ज्यादा पैसा खर्च नहीं होता है। पहले ही होटल बुकिंग कर लें, वरना बाद में महंगी हो जाती है।



सपनों का हनीमून!

बिना वीजा के इन जगहों पर बिताएं जिंदगी के सबसे रोमांटिक पल

हनीमून हर नवविवाहित जोड़े के जीवन का सबसे खूबसूरत समय होता है, जिसे खास जगह पर बिताना हर किसी का सपना होता है। दुनिया में कई ऐसी रोमांटिक डेस्टिनेशंस हैं जो हनीमून के लिए परफेक्ट मानी जाती हैं। मालदीव अपने शांत समुद्र, वॉटर विला और प्राइवेट बीच के लिए मशहूर है। दुनिया में ऐसी के बीच वाले देश हैं जो वीजा-फ्री है, जहां आप अपने पल को सुकून से बिता सकते हैं। मॉरीशस सुंदर बीच और नैचर के कारण रोमांटिक माहौल प्रदान करता है। मॉरीशस और सेशेल्स भी अपने लगजरी रिसॉर्ट्स और नीले समुद्र के लिए लोकप्रिय हैं। हनीमून को खास बनाने के लिए आप इन जगहों पर घूमने जरूर जाएं। ये सभी जगहें कपल्स को सुकून, रोमांस और यादगार पलों से भरा अनुभव देंगी।

मालदीव नवविवाहित कपल्स के लिए मालदीव सबसे बेस्ट जगहों में से एक है। हनीमून के लिए यह बेस्ट डेस्टिनेशन है, जो कि वीजा-फ्री है। यहां के ओवरवॉटर विला, विलर ब्लू पानी और रंग-बिरंगी मछलियां किसी स्वर्ग से कम नहीं है। मालदीव में प्राइवेट रिसॉर्ट्स दीपों के लिए जाना जाता है। शाम के समय समुद्र किनारे कैंडललाइट डिनर, कपल स्पा और सनसेट क्रूज आपकी यादों को हमेशा यादगार बना देंगा।

मॉरीशस सुंदर बीच, हरे-भरे जंगलों और विविध संस्कृति के लिए जाना जाता है। कपल्स यहां पर ले मॉर्न ब्राबॉट, चमरेल की सेवन कलर्ड अर्थ और पाम्पलमूस बोटैनिकस गार्डन देख सकते हैं। यदि

शिमला

यदि आपका पहाड़ पर घूमने का प्लान हैं, तो आप शिमला घूमने जरूर जाएं। शिमला में देवदार, चीड़ और माजु के जंगलों में आप घूम सकते हैं। बर्फीले घाटियां और सुंदर नजारे आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। हनीमून के लिए शिमला घूमना एक परफेक्ट डेस्टिनेशन में से एक है।

मनाली

हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत शहर है मनाली। यह जगह हनीमून डेस्टिनेशन के लिए सबसे बढ़िया है। यहां आप सुंदर सी बर्फीली वादियां देख सकते हैं। मनाली में हनीमून मनाना सबसे यादगार हो सकता है। मनाली में दिसंबर-जनवरी के महीने में स्नोफॉल का लुफ्त उठा सकते हैं। यहां आप ट्रेकिंग, स्नो स्कीइंग का तुफ उठा सकते हैं।

दार्जिलिंग

क्वीन ऑफ हिल्स दार्जिलिंग को कहा जाता है। हनीमून के लिए यह जगह बेहद ही रोमांटिक है। यहां पर चाय के बागन, बर्फ से ढके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कल-कल करते

झरने देखकर आप इस जगह में खो जाएंगे। कम बजट के अंदर है यह एक शानदार हनीमून की जगह हो सकती है।

श्रीनगर

हनीमून के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है श्रीनगर। कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर सुंदर नजारे और घाटियों के लिए जाना जाता है। यहां पर मुख्य आकर्षण केंद्र है डल झील। यहां पर आप मुगल गार्डन, झीलें, सुंदर घाटियों में घूम सकते हैं। यह जगह हनीमून के लिए परफेक्ट है।

माउंट आबू

राजस्थान का स्वर्ग कहा जाने वाल माउंट आबू, हनीमून के लिए एकदम परफेक्ट जगह है। यदि आप भारत में हनीमून के लिए नई जगह पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू का प्लान जरूर बनाएं। यहां पर आप वाइल्ड लाइफ का मजा ले सकते हैं। यहां पर आप तरह-तरह के पक्षियों, जानवर देखने को मिलेंगे। पहाड़ों पर घूमने या ट्रेकिंग का प्लान कर सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर वालों के लिए परफेक्ट वीकेंड स्पॉट! भरतपुर नेशनल पार्क दिलाएगा सुकून

अगर आप दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं और वीकेंड ट्रिप पर जाने का प्लान कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए है। भागदौड़ भरी जिंदगी से परेशान होकर लोग कुछ समय के लिए सुकून की तलाश करते हैं। रोजाना 9 टू 5 जॉब करके हम सभी का माइंड और बॉडी दोनों ही थक जाती है। अगर आप वीकेंड पर फैमिली और दोस्तों के साथ समय सुकून बिताना चाहते हैं, तो आप भरतपुर बर्ड सेंचुरी एक्सप्लोर करने जरूर जाएं। यहां पर आपको जंगलों के बीच पक्षियों का सुंदर नजारा और एकांत व सुकून का माहौल देखने को मिलेगा।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी जाने का समय

आपको बता दें कि, भरतपुर बर्ड सेंचुरी का असली नाम केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान है। जो कि भरतपुर जिला राजस्थान में बना हुआ है। वीकेंड के दौरान दिल्ली के आसपास जगहों के लिए ये नेशनल पार्क टॉप पर रहता है। अक्टूबर से लेकर मार्च तक महीने तक यहां समय बीतना बेहद ही खास होता है। इस समय यहां पर लोकल बर्ड के अलावा माइग्रेटिंग पक्षी भी आते हैं। यह समय जाने के लिए सबसे बेस्ट है।

भरतपुर बर्ड सेंचुरी में देखने के लिए क्या-क्या है?



यहां पर आपको प्रवासी पक्षियों में से साइबेरियन सारस, बार हेडेड गीज, पेलिकन और पेंटेड स्टार्क आते हैं। इसके अलावा, लोकल पक्षियों की ढेर सारी वैराइटी भी देखने को मिलती है। पक्षियों के अतिरिक्त, यहां पर अजगर, मॉनियर छिपकलियां, कुछ वाइल्ड कैट, गोल्डन सियार, जंगली सुअर, सांभर, हिरण, चितल हिरण भी देखने को मिल जाएंगे। यहां आप कई सारे कछुओं की वैराइटी देख सकते हैं।

भरतपुर में इन जगहों पर घूमें

भरतपुर नेशनल पार्क के अलावा आप यहां पर लोहागढ़ फोर्ट भी टूरिस्ट प्लेस पर घूमने जा सकते हैं। बांके बिहारी मंदिर, भरतपुर पैलेस और म्यूजियम की सैर कर सकते हैं। भरतपुर में लोकप्रिय गंगा मंदिर अपने अनोखे इतिहास के लिए जाना जाता है। यह लगभग 90 साल पुराना है। यहां पर लक्ष्मण मंदिर और गर्वनमेंट म्यूजियम भी देखने के लिए टूरिस्ट जाते हैं।

कैसे पहुंचें भरतपुर

बता दें कि, भरतपुर रेलवे स्टेशन सभी प्रमुख स्टेशनों से पूरी तरह से कनेक्टेड है। दिल्ली से आप भरतपुर ट्रेन पकड़ सकते हैं। दिल्ली से आप बस या फिर प्राइवेट कैब से भी जा सकते हैं। ढाई घंटे में आप यहां आराम से पहुंच जाएंगे।



निखारें चेहरा

संवारेँ अपना भविष्य

पार्टियों में जाने के लिए किए जाने वाले मेकअप से लेकर कलाकारों के मेकअप तक इसकी उपयोगिता से सभी परिचित हैं, लिहाजा यह मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक करियर के रूप में इसे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता था, लेकिन अब बाजार के बड़े-बड़े नामों ने इसमें सम्मान जोड़ दिया है। कुछ कामयाब नाम हैं- शहनाज हुसैन, भारती तनेजा, वंदना लूथरा, ब्लॉसम कोचर, सिल्वी इत्यादि। इन्होंने मेकअप आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की और आज बिजनेस ब्रांड के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं। यही वजह है कि अब मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक युवा ट्रेनिंग लेने लगे हैं, ब्यूटी चैन में अच्छी जॉब उन्हें मिलने लगी है और कम पूंजी में खुद का व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। आज मेकअप आर्टिस्ट सिर्फ फैशन मॉडल्स अथवा फिल्मी सितारों की ही जरूरत नहीं है। दूसरी जगहों पर भी इसकी खास डिमांड है। खासकर शादी के सीजन में इन लोगों की डिमांड बढ़ जाती है। अब तो इसमें भी स्पेशलाइजेशन हो गया है, जैसे कोई सिर्फ टूल्स का मेकअप करता है तो कोई दुल्हन का। यहां आपको यह बता दें कि हर माध्यम के लिए अलग-अलग मेकअप होता है। टीवी/फिल्मी कलाकारों का मेकअप अलग होता है तो थिएटर में काम करने वालों का अलग। स्टूडियो आर्टिस्ट का मेकअप टीवी आर्टिस्ट की तुलना में चटक होगा। किसी कैरेक्टर को उसकी उम्र से अलग दिखाना है तो उसका मेकअप अलग होगा, वहीं जले या दाग दिखाने के लिए मेकअप अलग होगा। शहर और वहां की जलवायु के मुताबिक भी मेकअप किया जाता है। जैसे मुंबई में हवा में नमी रहती है, इसलिए पर्सोने को ध्यान में रख कर ऐसा मेकअप करना पड़ता है कि वह खराब न हो। वहीं राजस्थान में मेकअप के लिए अलग चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह सभी संभव है, जब मेकअप आर्टिस्ट को इसका ठीक-ठीक ज्ञान हो कि स्थान, उम्र और जरूरत के लिहाज से कैसा मेकअप होना चाहिए।

गुण क्या हो ?

इस प्रोफेशन में भी करियर बनाने के लिए कुछ विशेष गुणों की दरकार है। सबसे पहले उसमें विजुअलाइजेशन की क्षमता होनी चाहिए कि कौन सा स्टाइल या गेटअप किस पर फबेगा। उसे ऐसा रूप देना कि खुद को देख कर उसमें आत्मविश्वास भर जाए। कभी-कभी घंटों तक काम करना होता है, खासकर टीवी और फिल्म की शूटिंग के दौरान। शारीरिक और मानसिक रूप से उसका फिट होना बहुत जरूरी है, तभी वह अपने काम को सही-सही अंजाम दे पाएगा। आप में रंग और उसके असर की बारीक समझ होनी चाहिए। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए, तभी जिसका आप मेकअप करने जा रहे हैं, उसे बिना उबाए या थकाए उसका मनपसंद गेटअप आप उसे दे पाएंगे। इसके अलावा खुद भी आकर्षक दिखना जरूरी है। फैशन इंडस्ट्री में स्टाइल और ट्रेंड रोज बदलते हैं, इसलिए नई-नई तकनीक, हेयरस्टाइल्स और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट के बारे में उसे अपडेट रहना होगा।

योग्यता क्या हो ?

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है और न ही किसी प्रकार की योग्यता की। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने स्कूल या कॉलेज में कौन सा विषय लिया था। बस आप में इस काम के प्रति लगाव होना चाहिए। अगर ऐसा है तो आपके लिए करियर की राहें आसान हैं। अगर 10वीं या 12वीं पास हैं तो और भी बेहतर। इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप ब्यूटीकियर के अंतर्गत अन्य विषयों जैसे ब्यूटीशियन, मेनिच्यूरिस्ट, पैडिक्यूरिस्ट, इलेक्ट्रोलॉजिस्ट व अरोमा थेरेपी विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप किसी संस्थान से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर

मेकअप आर्टिस्ट किसी जवान इंसान को बूढ़ा बना देता है तो बूढ़े इंसान को जवान। यही नहीं, मेकअप में वो ताकत है, जो चरित्र के हिसाब से कलाकार का पूरा व्यक्तित्व बदल दे। सुंदर दिखने-दिखाने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कौशल तक फैली हुई है। यही कारण है कि मेकअप करना एक खास किस्म का हुनर है।

सकते हैं। संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सज के पाठ्यक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, डाइट, सेल्समैनशिप व सैलून आर्गनाइजेशन से संबंधित थ्योरी पढ़ाई जाती है। वहीं प्रैक्टिकल वर्क के रूप में फेशियल, डिफरेंट टाइप ऑफ मसाज, मेकअप व इलेक्ट्रिक ट्रीटमेंट सिखाया जाता है।

नौकरी के अवसर

वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

वेतन

इस क्षेत्र में आने वाले को बहुत ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। प्रशिक्षण और इंटरशिप के दौरान ही आपकी कमाई होने लगती है। शुरुआती सैलरी 8 से 10 हजार मिलती है, लेकिन 5 साल के भीतर आप हर महीने 30 हजार रुपये तक काम सकते हैं। एक बार आपका नाम हो गया तो आकाश ही सीमा है। कुछ कलाकार साल में 5 लाख रुपये या इससे अधिक भी कमा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ विज्ञापन एजेंसी द्वारा शुरू की गई कैपेन में एक दिन में ही आपकी कमाई 1500 से 3000 रुपये तक हो सकती है।

कहां-कहां हैं मौके ?



फिल्म/टीवी/वीडियो/रंगमंच/फैशन/विज्ञापन एजेंसियों में तो बेशुमार जॉब हैं ही, तेजी से खुल रहे न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड है। वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि स्टूडियो की चकावौध लाइट में एक्टर का मेकअप कैसे किया जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।



यूपीएससी हर साल सिविल सेवा में परीक्षा का आयोजन करता है। इनमें आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस पदों के लिए सबसे ज्यादा दावेदार होते हैं। इस परीक्षा को फ्रैक कर आईएएस की तरह आईएफएस अफसर बनना भी बहुत बड़ी बात होती है। क्योंकि एक आईएएस जहां देश के अंदर कार्य करता है, वहीं एक आईएफएस ऑफिसर दूसरे देशों में देश का प्रतिनिधित्व करता है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम जानेंगे कि आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए क्या एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया चाहिए और इनका क्या काम होता है।

कौन और कैसे बन सकते हैं आईएफएस ऑफिसर

आईएफएस स्तर का अधिकारी देश का प्रतिनिधित्व अनेकों अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर करता है। इनका दायरा एक आईएएस ऑफिसर से बड़ा होता है। क्योंकि जहां एक आईएएस जिले व देश तक सीमित होते हैं, वहीं एक आईएफएस देश स्तर पर अधिकारिक रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और देशों के साथ काम करते हैं। इनके काम का असर सीधा देश पर पड़ता है। आईएफएस के लिए भी उम्मीदवारों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होता है, लेकिन आईएफएस की मुख्य परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं से अलग होता है। आईएफएस में आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक आईएफएस ऑफिसर विभिन्न देशों के राजदूत, अधिकारी व नेताओं से बात करनी होती है तो इसके लिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और बोलचाल में जरूरत होती है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

राष्ट्रीयता

आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार की राष्ट्रीयता निम्नलिखित होनी चाहिए

- भारत के नागरिक हो
- नेपाल/भूटान की नागरिक हो
- वे तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पहले स्थायी रूप से बसने के लिए यहाँ आए, या
- भारतीय मूल के वे लोग जिन्होंने भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए युगांडा, बर्मा, पाकिस्तान, जाम्बिया, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, मलावी, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, जायरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास किया।

शैक्षणिक योग्यता

- उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री होनी चाहिए या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

आयु सीमा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आधिकारिक अधिसूचना में यूपीएससी आयु सीमा 2022 की जानकारी जारी की गई है। आयु सीमा पात्रता मानदंड के अनुसार, 1 अगस्त 2022 को 21 से 32 वर्ष के बीच की आयु के लोग यूपीएससी एग्जाम में आवेदन पत्र भर सकते हैं। आरक्षित वर्ग के आवेदक यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु में छूट के पात्र होते हैं।



ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी का उमरता हुआ करियर

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। वैसे तो आवाज या म्यूजिक का इतिहास काफी पुराना है, लेकिन 20वीं शताब्दी तक आते-आते उसमें कई चीजें जुड़ गईं। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड केप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड लगा होता है, जिससे रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग प्रक्रिया में साउंड इनपुट जैसे स्विच, डायल, लाइट्स एवं मीटर को नियंत्रित किया जाता है। यह कार्य ऑडियो इंजीनियर के जरिए संपन्न किया जाता है। कई बार इन्हें रिकॉर्डिंग इंजीनियर या साउंड इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता है। ऑडियो इंजीनियरिंग चर्च पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटररेस्ट होना आवश्यक है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मेथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

कोर्स डिटेल्स

ऑडियो इंजीनियरिंग में साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं मिक्सिंग के तकनीकी एवं रचनात्मक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। इसमें अधिकतर कोर्स की शुरुआत ही साउंड एवं रिकॉर्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन एवं ब्रॉडकास्टिंग की आधारभूत थ्योरी एवं फिफ्टसी से की जाती है। इसके तकनीकी पहलुओं के अंतर्गत ही साउंड मिक्सिंग में स्पेशल इफेक्ट्स डाला जाता है। कोर्स के बाद छात्र रिकॉर्डिंग टूल्स, माइक्रोफोन के प्रयोग के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हो जाते हैं। इसके अलावा ऑडियो राइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक

ऑडियो इंजीनियरिंग भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटररेस्ट होना आवश्यक है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्लीटयूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिश्ता जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

नौकरी के अवसर

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री पहली सीढ़ी होती है। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद मूवी, टेलीविजन, एडवर्टाइजिंग, मल्टीमीडिया संस्थान, ब्रॉडकास्टिंग, सीडी प्रोडक्शन आदि में जॉब पा सकते हैं। लेकिन एक ऑडियो इंजीनियर को जो फील्ड सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह म्यूजिक इंडस्ट्री है। इसमें प्रारंभ में रिकॉर्डिंग इंजीनियर के सहायक के रूप में करियर आरंभ कर सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर जल्द ही वे ऑडियो इंजीनियर के पद पर पहुंच सकते हैं। इसके अतिरिक्त माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर एवं सॉफ्टवेयर, म्यूजिक एवं स्पीच में कई तरह के काम सामने आते हैं। साउंड, म्यूजिक, डायलॉग, स्पेशल इफेक्ट्स, म्यूजिक प्रोड्यूसर को भी स्पेशलाइजेशन के रूप में अपनाया जा सकता है। म्यूजिक प्रोड्यूसर बनने के बाद खुद का रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी शुरू किया जा सकता है। स्टूडियो स्थापित करने के अलावा ऑडियो इंजीनियर फ्रीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी प्रतियोगी है। इसमें वही लोग सफल हो सकते हैं, जिनमें टैलेंट एवं विशेष गुण हैं।

सेलरी स्ट्रक्चर

बतौर ऑडियो इंजीनियर इनकी सेलरी 10,000 रुपए प्रतिमाह से शुरू होती है तथा मान्यता मिल जाने के बाद इनकी सेलरी में तेजी से इजाफा होता है। तीन से चार साल के अनुभव के बाद इनकी सेलरी 30-35 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। विदेशों में जॉब के अवसर मिलने के बाद सेलरी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।



18 दिसम्बर को छ.ग. मुख्यमंत्री साय खैरासेतगंगा आने का दिये निमंत्रण



मुंगेली

खैरासेतगंगा धर्म नगरी खैरासेतगंगा में 18 दिसम्बर को संतशिरोमणी बाबा गुरूघासीदास की जयंती में शामिल होने के लिए छ.ग.के मुख्यमंत्री विष्णुदेवसाय जी को केबिनेट मंत्री गुरू खुशवंत साहेब व विधायक मुंगेली प्रसुलाल मोहले के नेतृत्व में मुख्यमंत्री निवास पर सतनाम मानव कल्याण समिति के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिको ने गतदिवस आमंत्रित किया गया। मुख्यमंत्री ने खैरासेतगंगा आगमन के लिए निमंत्रण स्वीकार करते हुये शुभकामनाएँ प्रेषित की। उल्लेखनीय है कि धर्मनगरी खैरासेतगंगा में अनेक पर्वों को अत्यंत हार्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया जाता है। नगर में छ.ग. राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह जी 18 दिसम्बर सहित अनेक पर्वों पर 3/4 बार सिरकत कर चुके हैं। जिससे क्षेत्र को अनेक सौगात भी मिला है सतनाम मानव कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री माननीय विष्णुदेवसाय जी को आमंत्रित किये है श्री साय के आगमन को लेकर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर व्याप्त है। मंदिरों में रंग रोदन सहित साफसफाई का कार्य जोरो पर है। मुख्यमंत्री माननीय विष्णुदेवसाय जी की नगर आगमन की जानकारी सतनाम मानव कल्याण समिति अध्यक्ष मानिकलाल सोनवानी ने दी। निमंत्रण देने के लिए समिति के अध्यक्ष मानिकलाल सोनवानी, उपाध्यक्ष कुलेश्वर बारमते, पूनाराम टोंडर, सलाहकार निरंजन टोडर, जितेन्द्र भास्कर, कर्मचारी युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राधे टोंडर, सचिव सुखचंद भास्कर, संरक्षक रघुनंदन टोंडर, वरिष्ठ सदस्य अखिल टोंडर, राजमहंत जैतकुमार खांडे,सदस्य शत्रुहन टोंडर, सरपंच प्रतिनिधि शिवकुमार लहरिया, साहेब भास्कर उपस्थित रहे।

पाऊवारा में भागवत कथा का शुभारंभ:पहले दिन निकाली गई शोभा यात्रा, भक्तिमय रहा माहौल



उतई

स्वर्गाय धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी साहू जी की पुण्य स्मृति में गृह ग्राम पाऊवारा में आयोजित किए जा रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के प्रथम दिन श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। सुबह महिलाओं और युवतियों ने सिर पर कलश धारण कर भक्ति गीतों के साथ यात्रा निकाली, जिससे पूरा वातावरण धार्मिक रंग में रंग गया। यात्रा ग्राम पाऊवारा के शीतला मंदिर, राम मंदिर,शक्ति माता, लक्ष्मी मंदिर एवं शिव मंदिर से कथा स्थल मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल पर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पहले दिन कथावाचक श्री निरंजन महाराज जी ने भागवत महात्म्य का वर्णन करते हुए बताया कि श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने मात्र से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं और यह मनुष्य को भवसागर से पार कराने वाली मरणात्तर मुक्ति का साधन है। उन्होंने कहा कि वेदव्यास ने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य चरित्रों से परिपूर्ण इस महापूरा की रचना मानव कल्याण के लिए की थी। कथावाचक निरंजन महाराज ने धुंधकारी और गोकर्ण प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार गोकर्ण ने भागवत कथा के माध्यम से अपने भाई धुंधकारी को प्रेत योनि से मुक्ति दिलाई। यह प्रसंग भागवत कथा की महिमा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जो श्रद्धालु भक्ति और एकाग्रता के साथ कथा का श्रवण करते हैं, उनके जीवन में ज्ञान और भक्ति का संचार होता है,उन्हें आध्यात्मिक शांति का अनुभव प्राप्त होता है। आयोजक प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने बताया कि कथा सप्ताह भर चलेगी, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का वर्णन किया जाएगा। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए और कथामृत का लाभ उठाया।

अखिल भारतीय पुरोहित पुजारी संघ द्वारा गीता जयंती का आयोजन

राजनांदगांव

अखिल भारतीय पुरोहित पुजारी संघ द्वारा गीता जयंती का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। पुजारी पुरोहित संघ के द्वारा सभी मंदिरों में गीता जयंती मगाने का एक प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवती श्री कृष्ण का प्रेोत पर तिलक बंधन और पूजा के साथ किया गया। इसके बाद सामूहिक गीता पाठ किया गया। गीता पाठ के बाद मुख्य अध्यक्षता कर रहे पंडित श्री देव कुमार निर्वाणी ने उद्घोषन दिया। पंडित श्री देव कुमार निर्वाणी ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दू धर्म का एक पवित्र ग्रंथ है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के आरंभ में अर्जुन को उपदेश दिया था। गीता जयंती का मुख्य कार्य या उद्देश्य श्रीमद्भगवद्गीता के ज्ञान को याद करना, उसका अध्ययन करना और उसे अपने जीवन में अपनाना है। कार्यक्रम में आरणा यादव ने भगवत गीता का श्लोक पढ़कर सुनाया। इसके बाद मोहल्ला वासियों के द्वारा प्रसाद वितरण का कार्य संपन्न किया गया। कार्यक्रम में ओंकार खंडेलवाल, डोमेश्वरी देव निर्वाणी, सतीश तिवारी, अमिल नागवंशी, श्रीमती आशा वैष्णव, डोंगराड़ रुद्रमती निर्वाणी जी, वैभव निर्वाणी जी, आरणा यादव, नेहा यादव, सत्स्रवती यादव, प्रकाश अखिलेश, शकुंतला परिहार, सरिता दास और अनीता ठाकुर उपस्थित रहे।

23 मॉडिफाई सायलेंसर बुलेट वालकों से 116000/- रुपये जुर्माना

राजनांदगांव

दिनांक 02.12.25 को यातायात पुलिस द्वारा मॉडिफाई सायलेंसर लगाये बुलेट में मोटरयान अधिनियम की धारा 182 क(4) के तहत कार्यवाही कर 5000/- रुपये जुर्माना वसूला गया। इससे पूर्व वर्ष 2025 में सायलेंसर मॉडिफाई कर फटाका फेड़ने वाले 22 बुलेट चालकों पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्यवाही कर 111000/- रुपये जुर्माना लगाया गया।

थाना कोतवाली व सोमनी क्षेत्र में पुलिस की रात्रिकालीन दक्षि

25 ढाबों की जांच शराब परोसने व सार्वजनिक स्थान पर सेवन करने वालों पर की कार्रवाई

राजनांदगांव

दिनांक 02 दिसंबर 2023 की रात्रि को पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देश पर जिले में व्यापक रात्रिकालीन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व एएसपी राहुल देव शर्मा ने किया, जिसमें स्‍ट्रिक्‍क डोंगरगढ़ अशिष कुजाम, स्‍ट्रिक्‍क डोंगरगाँव दिलीप सिसोदिया, थाना प्रभारी निरीक्षक विजय मिश्रा, साइबर सेल से उनि. नरेश बंजारे, सउनि. द्वारिका प्रसाद लाउ तथा रक्षित केंद्र कोतवाली व लालबाग के कुल 30 सदस्यीय पुलिस बल शामिल रहा।

पुलिस टीम को तीन दलों में विभाजित कर थाना कोतवाली तथा थाना सोमनी क्षेत्र के कुल 25 ढाबों में अचानक दक्षिा दी गई।



इस दौरान ढाबा परिसर के अंदर-बाहर होने वाली गतिविधियों की बारीकी से जांच की गई, साथ ही ढाबों के पास संदेहास्पद रूप से खड़े वाहनों की सघन तलाशी भी ली गई। जांच के दौरान दो ढाबा संचालकों द्वारा अवैध रूप से शराब पिलाने की पुष्टि होने पर शिवशक्ति कांतियावाडी ढाबा एवं मुंबई कोलकाता ढाबा संचालक के विरुद्ध धारा 36(सी) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

वहीं तीन व्यक्तियों के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने पर छत्तीसगढ़ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। यह विशेष अभियान रात 10 बजे से 12 बजे तक दो घंटे तक लगातार चलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अभियान आगे भी समय-समय पर जारी रहेंगे ताकि कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

नवनियुक्त जिलाध्यक्षों ने पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू से किया मुलाकात



उतई

उतई। काँग्रेस पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा चालये गए संगठन सुजन अभियान के वहत प्रदेश भर के 41 जिलों में जिलाध्यक्ष नियुक्ति के बाद दुर्ग जिले में आने वाले 3 संगठन जिलें के जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण से राकेश ठाकुर, भिलाई नगर से मुकेश चंद्राकर, दुर्ग शहर से धीरज बाकलीवाल मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त करने पूर्व केबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू के मीनाक्षी नगर दुर्ग निवास पहुंचें। जिला कांग्रेस दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पुन: दायित्व प्रदान किए गए पर कांग्रेस पार्टी एवं कार्यकर्त्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा

कि संगठन द्वारा उन पर दोबारा जताया गया विश्वास उनके लिए सम्मान के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। इस दौरान पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू ने तीनों जिलाध्यक्ष को बधाई देते हुवे कांग्रेस की विचारधारा, संगठन की मजबूती और जनसेवा को सर्वोच्च रखते हुए पूरे समर्पण एवं निष्ठा के साथ कार्य करने शुभकामना प्रेषित किया। कांग्रेस जनों ने तीनों जिलाध्यक्ष सहित कांग्रेसजनों को मिठाई खिलाकर मुँह मीठा कराया और विश्वास जताया कि संगठनात्मक विकास, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने सहित सभी प्राथमिकताओं पर तेजी से कार्य किया जाएगा।

मां कि स्मृति को चिरस्थायी सम्मान

भिलाई

बेटों ने अपनी माँ की याद में बच्चों की शिक्षा के लिए महामानव मल्टीपर्स सोसायटी भिलाई द्वारा संचालित महामानव धम्मशाला को दान किये टेबल-बेंच , शिक्षा को समर्पित एक हृदयस्पर्शी पहल में,आशीष नगर रिसाली भिलाई निवासी आयु.प्रकाश बाम्बेश्वर डॉ.विकाश बाम्बेश्वर ने अपनी दिवंगत माताजी सुचित्रा बामबेश्वर की पुण्य स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से, बच्चों को पढ़ने में सुविधा हो 5 टेबल और बेंच दान किये हैं। यह दान बच्चों को एक बेहतर और आरामदायक शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है दिवंगत सुचित्रा बामबेश्वर कि स्मृति में किए गए इस कार्य का उद्देश्य उन मूल्यों को आगे बढ़ाना



है, जिन्हें उन्होंने जीवन भर महत्व दिया: शिक्षा और परोपकार को । आयु.प्रकाश बाम्बेश्वर ने इस अवसर पर भावुक होते हुए कहा, मेरी माँ, हमेशा से ही शिक्षा के महत्व पर जोर देती थीं। उनकी स्मृति में किया गया यह छोटा सा प्रयास, बच्चों को आरामदायक ढंग से बैठकर पढ़ने में मदद करेगा। मैं चाहता हूँ कि उनकी प्रेरणा इन बच्चों के भविष्य को

उज्जवल बनाए।

महामानव मल्टीपर्स सोसायटी के अध्यक्ष आशीष चौहान ने इस प्रेरणादायक कार्य के लिए हृदय से साधुवाद किया, दिवंगत सुचित्रा बामबेश्वर जी को इससे बेहतर श्रद्धांजलि नहीं दी जा सकती। नए टेबल और कुर्सियों से हमारे बच्चों को अब पहले से कहीं अधिक सुविधाजनक माहौल मिलेगा, जिससे उनकी एकाग्रता

और सीखने की क्षमता में वृद्धि होगी।

इस अवसर पर महामानव मल्टीपर्स सोसायटी के अध्यक्ष आशीष चौहान, संयोजक शैलेन्द्र भगत, प्रवीण वासनिक, नमेश्वरी सोनपिपरे, अविनाश गांवडे, कुमकुम सोनपिपरे, देवेंद्र बंसोड,सुरेश भीमटे, सिध्दार्थ तुरकर, इंदू उके, साधना डोंगरे, उपस्थित थे।

आदमी विकलांग शरीर से नहीं मन से होता है

राजनांदगांव

माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण / प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव श्री विजय कुमार होता के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनंदगांव के नेतृत्व में तालुक विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष /न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी छुईखदान श्री ईशान व्यास के मार्गदर्शन में पीएलबी श्री सनील कुमार द्वारा ग्राम मुई में अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाया गया जिसमें उपस्थित लोगों को बताया गया कि अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस समाज और विकास के हर स्तर पर विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देने और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन के सभी पहलुओं में विकलांग व्यक्तियों की स्थिति के

लखोली वार्ड 36 में नाली व सड़क निर्माण की माँग तेज

राजनांदगांव

नगर निगम राजनांदगाँव के आयुक्त अतुल विश्वकर्मा को आज कांग्रेस कमेटी शहर दक्षिण ब्लॉक के मंडल अध्यक्ष संदीप सोनी के नेतृत्व में एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें लखोली स्थित संजय नगर वार्ड क्रमांक 36 की लंबे समय से उपेक्षित मूलभूत समस्याओं नाली निर्माण एवं जर्जर सीसी सड़क के सुधार को प्राथमिकता से हल करने की माँग की गई। श्री सोनी ने बताया कि वार्ड की गली में अनेक मकान हैं लेकिन आज तक नाली का निर्माण नहीं होने से घरों का दूषित पानी बहाने के लिए लोगों को निजी प्लांटों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे आए दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। वहीं एक ही स्थान पर पानी लगातार जमा होने से मच्छर, मक्खी व अन्य हानिकारक कीटों का खतरा बढ़ गया है जिसके कारण बीमारियों की आशंका बनी



रहती है। लगभग चार वर्ष पहले बनाई गई सीसी सड़क अब टूट-पूट कर बदहाल स्थिति में पहुँच चुकी है जिससे लोगों को रोजमर्रा के आवागमन में भारी दिक्कों का सामना करना पड़ रहा है। वार्डवासियों ने इसे अत्यंत आवश्यक कार्य बताते हुए तुरंत मरम्मत की माँग की है।संदीप सोनी के नेतृत्व में पहुँचे प्रतिनिधिमंडल की बात सुनते हुए आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने स्वयं स्थल का निरीक्षण करने और नाली व सीसी रोड निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने का आश्वासन दिया।

आम आदमी पार्टी द्वारा पूरे प्रदेश के प्रत्येक जिलेवार में सरकार द्वारा बढ़ाई गई रजिस्ट्री दर के विरोध मे धरना प्रदर्शन किया



करती हैं ऐसे जनविरोधी आदेश कों तुरंत वापस ले अन्यथा आम आदमी पार्टी का हर एक कार्यकर्त्ता एवं प्रदेश की जनता सड़क पर उतरने कों विवश हो जायेगे

संजीत विश्वकर्मा प्रदेश संगठन मंत्री ने कहा अभी विरोध के साथ, बड़ी गाइडलाइन की दरों की वापसी की मांग को लेकर सरकार को जिलवार ज्ञापन देकर वित्त मंत्री ओपी चौधरी का 2 दिसंबर को प्रदेशव्यापी पुतला दहन किया जाएगा। उत्तम जायसवाल ने बताया कि प्रदेश की भाजपा

लगता है कि ये सरकार अब खुलेआम व्यापार करने आई है इस फैसले से न सिर्फ जमीन का कारोबार खत्म होगा। गरीबों, किसानों, मध्यवर्गीय परिवार की जमीन खरीद कर मकान बनाने का सपना टूट जायेगा। किसान अपनी खेती जमीन ना खरीद पायेगा और ना ही जरूरत आने पर जमीन बेंच पायेगा। देवीन्दर सिंह भाटिया ने कहा कि बड़ी गाइडलाइन दरों से मध्यम वर्ग और गरीब आदमी परेशान नजर आ रहा है और प्रदेश की आम जनता के लिए जब तक सरकार बड़ी हुई गाइडलाइन दरें कम नहीं करती तब तक हमारी पार्टी सड़क पर आंदोलन करती रहेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दुर्ग लोकसभा अध्यक्ष गीतेश्वरी बबेलने कहा कि साय साय सरकार को यह नीति अपने औद्योगिक एवं पूंजीपति साधियों को लाभ पहुंचाने की मंशा से लागू किया गया है ।

थाना बसंतपुर पुलिस द्वारा गुम हुए 15 नग मोबाईल किमती लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये को ढुंढ कर



राजनांदगांव

पुलिस अधीक्षक महोदय राजनांदगांव अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन व पुषेन्द्र नायक राजनांदगांव के दिशानिर्देश पर निरीक्षक एमन साहू थाना प्रभारी बसंतपुर के नेतृत्व प्रार्थीगणों के गुम मोबाईल के पतासाजी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत 15 नग विभिन्न कंपनियों के गुम मोबाईल किमती लगभग 1 लाख 50 हजार रुपये को थाना बसंपतुर पुलिस राजनांदगांव द्वारा ढुंढ कर बरामद

किया गया।

आज दिनांक 03/12/2025 को थाना बसंतपुर में बरामद हुए सभी 15 नग मोबाईलों को प्रार्थीगणों को सुपुर्द किया गया है।

इस दौरान थाना स्टॉफ उपस्थित रहे एवं प्रार्थीगणों को उनके गुम मोबाईल मिल जाने से जिला राजनांदगांव पुलिस एवं थाना बसंतपुर की कार्यवाही की प्रशंसा कर पुलिस का अभार व्यक्त किया गया एवं आम जनता को गुम मोबाईल प्राप्त होने उपरान्त, उनका उपयोग न करते हुए नजदीकी थाना में जमा करने हेतु किया अपील।



बारे में जागरूकता बढ़ाने के बारे में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर हर साल इस दिन को मनाता है और विकलांग लोगों के अधिकारों को सुरक्षित करने के महत्व को मजबूत करता है। यह सच इसलिए है ताकि वे दूसरों के साथ समाज में पूरी तरह से, समान रूप से और प्रभावी रूप से भाग ले सकें, और अपने जीवन के सभी पहलुओं में किसी भी बाधा का सामना न करें। आपको से अपने प्रकरण का जल्द से जल्द हिस्सा विकलांग व्यक्ति का हैं, पि

भी उन्हें आम तौर पर कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। पी.एल.व्ही श्री सनील कुमार ने बताया कि विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित बहुत सारे योजनाओं के बारे में बताया एवं आगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 13 दिसंबर 2025 को आयोजन किया जाएगा जिसमें राजीनामा योग्य के मामले को आपसी राजीनामा तथा भाईचारा से अपने प्रकरण का जल्द से जल्द निराकरण कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में चाय उद्योग विस्तार की संभावनाएँ मजबूत: वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण में महेन्द्र बगरोडिया ने रखे सुझाव



रायपुर

केन्द्र सरकार की कार्मिक / सांख्यिकी मंत्रालय के अधीन विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण का आयोजन दीनदयाल ऑडिटोरियम में किया गया था। चेंबर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेन्द्र कुमार बगरोडिया ने अपने संबोधन में चाय उद्योग के क्षेत्र में अपने अनुभव को साझा करते हुए कि वे स्वयं 40 वर्षों से चाय का व्यापार एवं व्यवसाय कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले में उच्च कोटि चाय का उत्पादन होता है लेकिन आधुनिक मशीने नहीं होने के कारण अब तक यहां चाय उद्योग स्थापित नहीं किया जा सका है। उन्होंने सांख्यिकी विभाग से आए अधिकारीद्वय अल्लाफ हुसैन हाजी एवं राजेश श्रीवास्तव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप लोगों के समन्वय एवं चेंबर आफ कामर्स के सहयोग से चाय उद्योग का विस्तार किया जा सकता है। वर्तमान में आसाम में चाय की आयात कर पूरे छत्तीसगढ़ में आपूर्ति की जाती है। इस कार्य में बड़ी बड़ी कंपनियां अपने ब्रॉड से चाय की बिक्री करते हैं।

त्रिवेणी ज्ञानयज्ञ सप्ताह 7 से

भिलाई

इस्पात नगरी के वीआईपी नगर फेज दो में त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन 7 से 15 दिसंबर 2025 तक किया जा रहा है। श्रीमती ललिता विष्णु पाठक, श्रीमती शिवानी दीपक पाठक एवं गोपीचंद्र पाठक द्वारा आयोजित उक्त आयोजन में विशेष रूप से गाजीपुर उत्तरप्रदेश के पंडित जितेन्द्र नाथ मिश्र अपनी वाणी से कथा वाचन करेंगे। कथा व्यास के रूप में अमोरा जिला बेमेतरा निवासी पंडित भूपतनारायण शुक्ला उपस्थित रहेंगे। आयोजनकर्ता ने इस अवसर पर अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

बकाया जलकर राशि 3 1250 रुपये निगम कोष में जमा कराया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र के विभिन्न औद्योगिक संस्थाओं के संचालको से सीमा कर एवं जलकर वसूली हेतु संपर्क स्थापित किया गया। उद्योग संचालकों को बकाया जलकर जमा करने हेतु सूचित किया गया है। संपर्क पश्चात विश्व विशाल इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक की बकाया जलकर राशि 31250.00 रुपये निगम कोष में जमा कराया गया।

कुम्हारी पालिका क्षेत्र में आवारा कुत्तों को लगाया गया एंटी रैबीज के टीके कुम्हारी



नगर पालिका क्षेत्रान्तर्गत दिन सोमवार को नगर पालिका द्वारा क्षेत्र में एंटी रैबीज वैक्सिनेशन अभियान का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि आवारा एवं पालतू कुत्तों में बढ़ते संक्रमण के खतरे को देखते हुए

यह अभियान चलाया जा रहा है ताकि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अभियान के दौरान पालिका की टीम एवं पशु चिकित्सक के द्वारा आवारा कुत्तों को एंटी रैबीज़ वैक्सिन लगाया गया वहीं पशुपालकों को रैबीज़ से बचाव व टीकाकरण की समय-सीमा के बारे में जागरूक भी किया गया। पालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने पालतू कुत्तों का समय-समय पर टीकाकरण अवश्य कराए और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत विभाग को सूचित करें। वहीं पालिका प्रशासन ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि आगे भी इस प्रकार के नियमित टीकाकरण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

पीएम श्री सेजस कुम्हारी में विजया श्रीवास्तव ने प्राचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया



कुम्हारी

पीएम श्री सेजस कुम्हारी से चार व्याख्याता प्राचार्य पद पर पदोन्नत हुए जिनमे केशवराम साहू , जी पी सिंह, श्रीमती हेमलता नामदेव प्राचार्य पद पर एवं श्रीमती विजया श्रीवास्तव ने पूर्व प्राचार्य श्रीमती लता रघुकुमार के सेवानिवृत्ति पश्चात उनके स्थान पर बतौर प्राचार्य सेवाएं देंगी। सभी शिक्षकों के पदोन्नति पर विद्यालय के समस्त शिक्षकों व विद्यार्थियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाइयां दी सभी प्राचार्य को गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दी गई । बता दें कि के आर साहू सेमास बेरला के प्राचार्य होंगे, जी पी सिंह सेजस हसदा के प्राचार्य पद पर पदभार ग्रहण करेंगे एवं श्रीमती हेमलता नामदेव हाई स्कूल ऊफ्फा में प्राचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण करेंगे सभी व्याख्याता ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

दुर्ग क्षेत्र के कलाकारों ने अंतरक्षेत्रीय सुगम संगीत एवं काव्य प्रतियोगिता में मारी बाजी, मुख्य अभियंता ने दी बधाई

दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनियों द्वारा आयोजित अंतरक्षेत्रीय सुगम संगीत एवं स्वरचित काव्य प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर के केंद्रीय कार्यालय खेल परिसर में 24 से 25 नवंबर 2025 तक भव्य रूप से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में दुर्ग क्षेत्र के कलाकारों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई महत्वपूर्ण स्थान हासिल किए और अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया।

दुर्ग के कलाकारों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

कराओके पुरुष वर्ग में दुर्ग क्षेत्र के दिलीप पाठक ने मो. रफ़ी के प्रसिद्ध गीत तेरी आँखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है प्रस्तुत कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं गैर-फिल्मी गायन में श्रवण कुमार गेण्ड्रे ने



मैली चादर ओढ़ के घर से गीत प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान हासिल किया।

स्वरचित काव्य ने छुआ दिलों को

कार्यक्रम में कुमारी चंचल मिश्रा ने अपने पिता की स्मृति में तथा श्रीमती रमणी राजेन्द्रन ने अपनी माता की याद में स्वरचित कविता प्रस्तुत

की, जिसने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

प्रतियोगिता में दुर्ग क्षेत्र के ये कलाकार हुए शामिल

फिल्मी, गैर-फिल्मी, काव्य पाठ और वादन वर्गों में दुर्ग से शामिल कलाकार—

राजेश शर्मा, खेमलाल साहू, जागुति साहू, ईशा नायक, नरेन्द्र साहू, श्रवण गेण्ड्रे, दीपा परगनिहा, शिवेन्द्र दुबे, सुरेश देवांगन, रमणी राजेन्द्रन, चंचल मिश्रा, एस.पी. मंडावी, दिलीप पाठक, मनीष चंद्रवंशी और ललित साहू ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन के बाद दुर्ग क्षेत्र की

टीम आज मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल से सौजन्य मुलाकात करने पहुंची। मुख्य अभियंता ने सभी कलाकारों को उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए हार्दिक बधाई दी।

उन्होंने कहा— निरंतर अभ्यास और होसला हो तो हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। अधिकारियों ने भी दी शुभकामनाएँ। इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें— अतिरिक्त मुख्य अभियंता एच.के. मेश्राम अधीक्षण अभियंता एस. मनोज, आर.के. मिश्रा, जे. जगन्नाथ प्रसाद कार्यपालन अभियंता श्रीमती दुर्गेश नंदिनी देवांगन, श्रीमती अनसुईया कुंवर वरिष्ठ कल्याण अधिकारी दीपक कुमार डूम्भरे सभी ने दुर्ग के कलाकारों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अवैध अतिक्रमण पर निगम की बेदखली कार्यवाही

भिलाई



नगर पालिक निगम भिलाई जोन-3 मदर टेरेसा नगर केम्प 2 वार्ड क्र. 33 संतोषी पारा में समृद्धि बाजार पर हुए अवैध कब्जे पर निगम की शिकायत के आधार पर बेदखली की कार्यवाही की गई। अवैध कब्जा की शिकायत वार्ड पार्षद श्रीमती एन. शैलजा द्वारा की गई थी। इस भूमि का स्वामित्व विलोचन साव द्वारा खुद का बताया जा रहा था।

परन्तु आज दिनांक तक भू-स्वामित्व कहने वाले कथित व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार का वैध दस्तावेज निगम को प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतिक्रमणधारियों को स्वयं से अवैध कब्जा हटाने पूर्व में सूचना पत्र जारी किया गया था। किन्तु आज दिनांक 03.12.2025 तक अवैध कब्जा नहीं हटाया गया, जिसे देखते हुए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार कार्यालयिक मजिस्ट्रेट, निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम

द्वारा अवैध अतिक्रमण धारियों को मौके से बेदखल करने की कार्यवाही की गई।

वार्ड 33 संतोषी पारा में स्थित पुराने समृद्धि बाजार के स्थल को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पीएम आवास बनाने के लिए चिह्नंकित किया गया है। आगामी समय में शासन को प्रस्ताव भेजा जाना है, स्वीकृति पश्चात अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। कार्यवाही के दौरान जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, सहायक हरिओम गुप्ता अपने टीम के साथ उपस्थित रहे।

नवाचार केवल प्रयोगशालाओं और कक्षाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे समाज से जोड़ना होगा: राज्यपाल

भिलाई

नवाचार केवल प्रयोगशालाओं और कक्षाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे समाज से जोड़ना होगा। राज्यपाल रमेन डेका ने आज संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी) के क्षेत्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उक्त बातें कहीं। इनोवेशन सेल, ऑल इंडिया तकनीकी शिक्षा परिषद शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आज शंकराचार्य व्यावसायिक प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में यह सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें राज्यपाल श्री डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने कहा कि यह सम्मेलन न केवल इस संस्थान के लिए बल्कि हमारे राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण



है, क्योंकि यह भारत की राष्ट्रीय नवाचार करने उद्धें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने दर्शाता है। छत्तीसगढ़ समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान, हस्तशिल्प, कृषि, वनोपज और जनजातीय ज्ञान की भूमि है। सही रूप में किया गया नवाचार

हमारी स्थानीय शक्तियों का मूल्य संवर्धन करके उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने योग्य और आर्थिक व तकनीकी रूप से उन्नत बनाता है, इसमें हमारे युवाओं की महती भूमिका है। एक छोटा सा नवाचार मानव की बड़ी जरूरतों को पूरा कर

स्वदेशी संकल्प यात्रा का उद्देश्य स्वदेशी खरीदो स्वदेशी बेचो

रायपुर। स्वदेशी संकल्प यात्रा के रायपुर आगमन को लेकर शहर भर मे उत्साह का का माहौल है। कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स एवं स्वदेशी जागरण मंच के संयुक्त तत्वावधान में संचालित यह यात्रा प्रदेश के व्यापारिक जगत, उद्यमियों, युवाओं एवं सामाजिक संगठनों में नई ऊर्जा का संचार कर रही है। स्वदेशी संकल्प यात्रा आगामी 9 दिसम्बर को रायपुर पंडुचेगी जिसकी यात्रा के स्वागत एवं कार्यक्रमों की तैयारियाँ हेतु आज कैट प्रदेश कार्यालय में कैट, स्वदेशी जागरण मंच एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक हुई।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी एवं स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संयोजक जगदीश पटेल ने बताया कि स्वदेशी संकल्प यात्रा आगामी 9 दिसम्बर को रायपुर पंडुचेगी, स्वदेशी संकल्प यात्रा को भव्य एवं प्रभावी रूप से सफल बनाने हेतु पदाधिकारियों की बैठक हुई। उन्होंने आगे बताया कि स्वदेशी संकल्प यात्रा का उद्देश्य यह है कि स्वदेशी विचार को जमीनी स्तर तक ले जाया जाए और हर नागरिक को स्वदेशी बेचो – स्वदेशी खरीदो का संकल्प दिलाया जाए। स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने से देश की (जीडीपी) अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलता है और रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। यह आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ाता है, आयात पर निर्भरता कम करता है और स्थानीय संस्कृति तथा हस्तशिल्प को संरक्षित करने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, यह पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है, क्योंकि इससे परिवहन की आवश्यकता कम होती है, हम बाजार के दुकानदारों के साथ ग्राहकों से भी अपील कर रहे हैं कि स्वदेशी अपनाकर भारत की आर्थिक स्थिति को मजबूत करें, चूंकि देश का पैसा देश में रहेगा तो हम लोग उन्नति करेंगे। हम भारतीय हैं और हमारा फर्ज बनता है कि हम भारतीय वस्तुओं को ही खरीदें।

बीएसपी सेल निदेशक से पत्रकारों को राहत देने की अपील

भिलाई

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अधिशासी निदेशक (कार्मिक/प्रशासन) के.के. सिंह से भिलाई निवास में शहर के वरिष्ठ पत्रकार आर.एन. रामाराव ने सौजन्य मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने शहर के पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते



हुए विशेष रूप से आवासीय सुविधा से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने मांग की कि पत्रकारों को राहत देने के लिए आवास आबंटन प्रक्रिया को सरल किया जाए तथा अधिक संख्या में आवास उपलब्ध कराए जाएँ, जिससे वे अपने दैनिक कार्य को निर्वहन सुचारू रूप से कर सकें। वरिष्ठ पत्रकार की बातों को गंभीरता से लेते हुए, अधिशासी निदेशक श्री सिंह ने

आश्चरत किया कि पत्रकारों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने तत्काल कार्मिक विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि पत्रकारों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उनके साथ, जिससे वे अपने दैनिक कार्य को संतोष व्यक्त किया जा रहा है तथा उम्मीद जताई जा रही है कि शीघ्र ही पत्रकारों को ठोस राहत मिलेगी।